सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

आवश्यकता है

मीडिया हाउस

में काम करने के लिए
ऑफिस बॉय की जरूरत है।

(छुटपुट कुकिंग कार्य करने वाले को प्राथमिकता)

वेतन चार अंकों में ....

पता : शॉप नंबर 12, रेलवे क्रासिंग के पास, आकाशगंगा, सुपेला, भिलाई

संपर्क : 9827806026, 8319932659

वर्ष- 14 अंक - 350 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 2 अक्टूबर 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास - खबर

गहरे समंदर में 24 घंटे तक जिंदगी और मौत की जंग, विसर्जित किए गए गणेश मूर्ति का मिला सहारा

सूरत (एजेंसी)। सूरत के स्कूल में पांचवीं कक्षा का एक छात्र मंदिर में दर्शन के लिए डुमस समुद्र तट पर गया था। लखन नाम का यह बच्चा गणेश मूर्तियों के हो रहे विसर्जन को देखने के लिए समुद्र तक पहुंच गया और गहरे पानी तक चला गया। परिवार के लोग उसे अगले दिन तक ढूंढ़ते रहे, लेकिन वह कहीं नहीं मिला। सबने समझ लिया कि अब वह जिंदा नहीं बचा। लेकिन इसके बाद चमत्कार हुआ और बच्चा जिंदा घर लौट आया।

सौभाग्य से लखन को गहरे समुद्र में विसर्जित किए गए गणेश मूर्ति का सहारा मिला। वह समुद्र में 24 घंटे तक मूर्ति को पकड़े रहा। तट से 18 नॉटिकल माइल्स की दूरी पर वह समुद्र में था। तभी वहां से मछली पकड़ने वाली नाव 'नवदुर्गा' गुजरी। लखन ने आवाज लगाई और हाथ हिलाया, जिसे देखकर मछुवारे तुरंत वहां पहुंचे। उन्होंने लखन को नाव में बिठा लिया।

लखन को नवसारी के धोआली बंदरगाह पर लाया गया। तट पर पहुंचने से पहले पुलिस को सूचना दी गई। नाव के पहुंचने से पहले वहां एंबुलेंस पहुंच गई थी। पुलिस के मुताबिक 14 साल का लखन 36 घंटे बाद परिवार से मिला। परिवार को जब इसकी सूचना दी गई तो मातम मना रहे लोगों की आंखों में खुशी के आंसू आ गए। बच्चे को नवसारी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

अस्पताल में बच्चे को देखने के लिए भीड़ जुट गई। गुजरात भाजपा अध्यक्ष और सांसद सीआर पाटिल भी उसका हालचाल लेने अस्पताल पहुंचे। पाटिल ने लखन से कहा कि उसे मिली नई जिंदगी का वह अच्छा इस्तेमाल करे और पढ़-लिखकर डॉक्टर बने। पाटिल ने मीडिया से कहा कि वह भी इस बात से हैरान हैं कि एक छोटा बच्चा समुद्र में इतने देर तक गणेश मूर्ति के अवशेष के सहारे लटका रहा और डूबने से बच गया।

सभी मौजूदा विधायकों के टिकट तय नाम तो फायनल पर घोषणा कब होगी

श्रीकंचनपथ न्यूज़

भिलाई। भाजपा केन्द्रीय चुनाव समिति की बैठक में छत्तीसगढ़ के सभी प्रत्याशियों के नामों पर अंतिम मुहर लग गई है, लेकिन इन प्रत्याशियों के नामों का ऐलान एक बार फिर अटक गया। बताया गया है कि पीएम नरेन्द्र मोदी के बस्तर दौरे को देखते हुए प्रत्याशियों की सूची जारी नहीं की गई है। मोदी कल 3 अक्टूबर को बस्तर आ रहे हैं। उनके वहां से लौटने के बाद ही करीब 40 उम्मीदवारों का ऐलान किया जा सकता है। इधर, कांग्रेस में भी नामों को लेकर माथापच्ची खत्म हो गई है। कल स्क्रीनिंग कमेटी के अध्यक्ष अजय माकन की मौजूदगी में सभी 90 सीटों पर सिंगल नाम तय कर लिए गए। इन नामों को लेकर माकन दिल्ली के लिए उड़े तो कयास लगाए गए कि कांग्रेस के प्रत्याशियों का ऐलान भी जल्द हो सकता है।

कांग्रेस और भाजपा दोनों ही पार्टियां एक-दूसरे की सूचियों का इंतजार करते रहे हैं। यही वजह है कि लगातार बैठकों के बाद भी नाम तय करने में दिक्कतें पेश आती रही। लेकिन अब दोनों ही दलों ने अपने-अपने स्तर पर सभी सीटों पर नाम फायनल कर लिए हैं। कांग्रेस शीर्ष नेतृत्व की मंजूरी मिलने के बाद नाम घोषित किए जाएंगे, वहीं भाजपा में सीईसी की बैठक में नामों पर अंतिम मुहर लगा दी गई है। भाजपा ने अगस्त में 21 सीटों पर अपने प्रत्याशी घोषित किए थे। उसकी बाकी बची 69 सीटों के लिए खूब सिर खपाई होने की खबर है। पार्टी पिछली बार चुनाव जीतने वाले अपने सभी विधायकों को टिकट देने जा रही है। वहीं कई सांसदों को भी

प्रत्याशी बनाया जाएगा। इस पर अंतिम निर्णय लिया जा चुका है। सीईसी की कल हुई बैठक में इस बात पर भी चर्चा होने की खबर है कि सांसदों को उतारने से मध्यप्रदेश की तरह छत्तीसगढ़ में भी बवाल न हो जाए। बताते हैं कि बैठक में जब इस मसले पर चर्चा शुरू हुई तो सबने स्वीकार किया कि मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के राजनीतिक हालात अलग है। मध्यप्रदेश में कई सीनियर नेताओं ने टिकट मिलने के बाद असंतोष जाहिर किया था। वहीं जिन विधायकों या वरिष्ठ नेताओं के टिकट काटे गए, वे भी नाराज हो गए। विगत विधानसभा चुनाव में भाजपा को महज 15 सीटें ही मिली थी। इसलिए यहां मध्यप्रदेश जैसी नाराजगी फैलने का खतरा नहीं है।

कल जगदलपुर में पीएम की रैली

विधानसभा चुनाव को लेकर पीएम मोदी भी छत्तीसगढ़ में एक्टिव हो गए हैं। पीएम मोदी जगदलपुर में 3 अक्टूबर को जनसभा को संबोधित करेंगे। इससे पहले पीएम मोदी ने रविवार 30 सिंतबर को बिलासपुर में रैली को संबोधित किया था। इस रैली में उन्होंने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा था। बता दें कि 2018 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा था। इस बार पार्टी हर रणनीति पर चर्चा कर उम्मीदवार उतार तय कर रही है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, सीईसी की बैठक में सभी सीटों के लिए प्रत्याशियों के नाम तय करने के बाद भी इन नामों का ऐलान सिर्फ इसलिए रोक दिया गया, क्योंकि पीएम की जगदलपुर में सभा होनी है। ऐसे में इस बात की पूरी संभावना है कि पीएम के दिल्ली लौटने के बाद देर शाम तक भाजपा प्रत्याशियों की दूसरी सूची जारी कर दी जाएगी। इस सूची में करीब 40 उम्मीदवारों के नाम हो सकते हैं। बताया गया है कि अब भाजपा सीईसी की और बैठक नहीं होगी। दूसरी सूची जारी होने के बाद जल्द ही तीसरी सूची भी जारी कर दी जाएगी।

कांग्रेसी सीटें हथियाने पर हुई चर्चा

भाजपा केन्द्रीय चुनाव समिति की बैठक में शामिल होने के लिए छत्तीसगढ़ से प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव, पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह समेत कुल 5 नेताओं को बुलाया गया था। रविवार की बैठक से पहले सीईसी ने राज्य चुनावों के मौजूदा दौर के लिए पार्टी के उम्मीदवारों को अंतिम रूप देने के लिए दो बार बैठक की। इनमें छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश की सीटों पर चर्चा की गई, जिनमें विशेष रूप से उन सीटों पर चर्चा हुई थी, जो कांग्रेस के पास थीं। पार्टी ने चुनावी ऐलान से काफी पहले ही प्रत्याशियों की पहली सूची जारी कर दी थी। यह घोषणा पार्टी के पहले की कार्यशैली से अलग है क्योंकि भाजपा आमतौर पर चुनाव आयोग के चुनाव कार्यक्रम की घोषणा करने के बाद अपने उम्मीदवारों की घोषणा करती रही है। उम्मीदवारों के नाम की पहले की गई घोषणा से उनको अपने चुनाव अभियान को चलाने के लिए पर्याप्त समय मिल सकता है। यह रणनीति खासकर इसलिए अपनाई गई है क्योंकि भाजपा ने कांग्रेस के कब्जे वाली सीटों पर ध्यान केंद्रित किया है।

मौजूदा विधायकों की टिकट कन्फर्म

भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में छत्तीसगढ़ की तक़रीबन सभी सीटों पर उम्मीदवार तय कर दिए गए हैं। करीब 69 सीटों पर चुनाव समिति में उम्मीदवार तय किए गए हैं। सभी मौजूदा विधायकों को फिर से टिकट दिया जा रहा है। जबकि कई सीटों पर मध्य प्रदेश का फार्मूला लागू हो सकता और सांसदों को मैदान में उतारा जा सकता है। सूत्रों के मुताबिक, बिलासपुर से सांसद और छत्तीसगढ़ भाजपा के अध्यक्ष अरुण साव को भी विधानसभा चुनाव लड़ाया जा सकता है। रायपुर से सांसद सुनील सोनी को भी टिकट दिया जा दिया जा सकता है। दुर्ग से सांसद विजय बघेल का नाम पहले ही एलान किया जा चुका है उन्हें मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के खिलाफ़चुनाव मैदान में उतारा गया है, सरगुजा सांसद और केंद्रीय मंत्री रेणुका चौधरी को भी विधानसभा चुनाव लड़ाया जा सकता है। वहीं राज्यसभा की सांसद सरोज पाण्डेय का नाम भी चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों में शुमार बताया जा रहा है। पार्टी ने कई स्तरों पर सर्वे करवाए थे, जिनमें से लगभग सभी की रिपोर्ट में भाजपा को 40 के आसपास सीटें मिलती बताई गई थी। पार्टी के रणनीतिकारों को लगता है कि थोड़ी गहराई और गम्भीरता से सत्ता के जादुई आंकड़े तक पहुंचा जा सकता है। इसीलिए शीर्षस्थ नेताओं के लगातार दौरे और सभाएं हो रही है। सांसदों को विधानसभा चुनाव मैदान में उतारना भी इसी रणनीति का हिस्सा है। भाजपा हर हाल में छत्तीसगढ़ को हथियाकर कांग्रेस को बड़ी पटखनी देना चाहती है।

केन्द्र ने पैसा दिया तो कोई अहसान नहीं किया

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़ कांग्रेस में उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव के एक बयान को लेकर बवाल मचा हुआ है। सिंहदेव प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ मंच साझा कर रहे थे। जब प्रधानमंत्री ने कहा कि केन्द्र ने छत्तीसगढ़ को विकास कार्यों के लिए करोड़ों रुपए दिए तो सिंहदेव ने एक अच्छे मेजबान की तरह इसका समर्थन किया। जुमलों की राजनीति करने वाले कहां चूकते हैं। प्रधानमंत्री ने इसके बाद सिंहदेव की इस टिप्पणी का अपने हक में इस्तेमाल करना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा कि हमने करोड़ों रुपए दिये, यह हम नहीं कह रहे। छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री कह रहे। इस बात के दो मायने हैं। पहला तो यह कि भाजपा अब भी मुख्यमंत्री भूपेश और उपमुख्यमंत्री सिंहदेव के बीच की खींचतान के प्रति आशावान है। वह असंतोष को हवा देकर दरार पैदा करना चाहती है। दूसरा यह कि वह भोली-भाली जनता को करोड़ों रुपए का झांसा देना चाहती है। जहां तक केन्द्र द्वारा राज्यों को पैसा देने का सवाल है, केन्द्र यह पैसा कोई अपने घर से नहीं देता। पैसा देकर केन्द्र राज्यों पर कोई अहसान नहीं करता। केन्द्र के पास अपना कहने के लिए कुछ भी नहीं है। उसके पास जो कुछ भी है वह राज्यों का है। उसका सारा पैसा राज्यों से आता है। पहले जहां वह केवल अपने हिस्से के कर पर निर्भर था वहीं अब खदान और जंगलों पर भी उसने अपना आधिपत्य जमा लिया है। जब अरबों की वसूली करोगे तो करोड़ों तो देने ही पड़ेंगे। गाय का दूध निकालने के लिए उसे चारा तो खिलाना ही पड़ता है। ऊपर से छत्तीसगढ़ में तो स्थिति पहले ही बिगड़ी हुई है। लगभग पांच साल पहले यहां से उसकी सरकार की विदाई हो गई थी। पूरे 15 साल राज करने के बाद भाजपा की सरकार को हाशिए पर जाना पड़ा था। यह स्थिति तब जब 2014 के बाद केन्द्र और राज्य में डबल इंजन की सरकार थी। केन्द्र ने करोड़ों रुपए तो तब भी दिये होंगे। क्या हुआ उन पैसों का? किसके खाते में डाला था सरकार ने वह पैसा? बल्कि इससे अच्छी स्थिति तो रमन सरकार की तब थी जब केन्द्र में मनमोहन सिंह की सरकार थी। वह लगातार दो चुनाव जीत चुकी थी। उस लगातार जीत की सेटिंग से छत्तीसगढ़ वाकिफ है। केन्द्र में मोदी सरकार के आते ही ऐसा क्या हुआ कि छत्तीसगढ़ से भाजपा की विदाई हो गई? दरअसल, हर गांव में एक ठाकुर होता है। सामने पड़ जाने पर लोग उनके पांव-लागी भी करते हैं। पर दिल से बहुत कम लोग ठाकुरों की इज्जत कर पाते हैं। ठाकुर को मनमानी करने की आदत होती है। ठाकुर अच्छा हुआ तो गांव में खुशहाली होती है। ठाकुर बुरा हुआ तो गांव वालों के लिए जीवन एक दु:स्वप्न की तरह हो जाता है। गांव वालों को यह समझ में नहीं आता कि वह फ़सल को बचाए या बहू-बेटियों की सुरक्षा का प्रबंध करे।

देर रात तक चली कांग्रेस स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक

90 सीटों पर नाम तय कर ले गए अजय माकन, सीईसी की बैठक में लगेगी मुहर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव 2023 के लिए कांग्रेस पार्टी प्रत्याशियों के चयन के लिए जद्दो जहद कर रही है। भाजपा के 21 सीटों पर प्रत्याशी घोषित करने के बाद कांग्रेस की पहली सूची का इंतजार है। रविवार को कांग्रेस प्रत्याशियों के चयन को लेकर प्रदेश कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन में प्रदेश कांग्रेस स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक हुई है, जो देर रात तक चली। बैठक में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अजय माकन और प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा शामिल हुए। देर रात तक चली बैठक में 90 विधानसभा के लिए प्रत्याशियों के नाम फ़ाइनल किए जाने की खबर है लेकिन सूची जारी नहीं की गई। बताया जा रहा है कि अब सीईसी की बैठक के बाद कांग्रेस अपने पत्ते खोलेगी।

बैठक के दौरान स्क्रीनिंग कमेटी के चेयरमैन अजय माकन ने सीएम भूपेश बघेल व अन्य वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में 90 प्रत्याशियों के चयन पर गहन चर्चा की गई। बैठक के बाद मीडिया से चर्चा के दौरान अजय माकन ने कहा कि सभी 90 सीटों के लिए प्रत्याशी के नामों पर चर्चा हो चुकी है। उन्होंने यह भी कहा कि ज्यादातर नामों पर सहमति बन गई है। अब इसे केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में भेजा जाएगा, जहां इन पर मुहर लगेगी। इसके बाद लिस्ट जारी की जाएगी। अजय माकन ने इस दौरान छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के कामकाज की तारीफभी की। वहीं सीएम भूपेश बघेल ने अजय माकन को कांग्रेस पार्टी का कोषाध्यक्ष बनाए जाने पर बधाई दी। स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक में कमेटी के सदस्य नीटा डिसूजा, सदाशय नेट्टा, हनुमंथैया, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज, विधानसभा अध्यक्ष डा. चरणदास महंत, मंत्री ताम्रध्वज साहू, डा. शिवकुमार डहरिया आदि कांग्रेस के सीनियर नेता मौजूद रहे।

भाजपा की सूची का भी है इंतजार

इधर भारतीय जनता पार्टी की केन्द्रीय चुनाव समिति की भी रविवार को दिल्ली में बैठक हुई। माना जा रहा था कि रविवार देर रात तक भाजपा अपने प्रत्याशियों की दूसरी सूची जारी कर देगी लेकिन इनकी सूची भी जारी नहीं हुई। सूत्रों से पता चला है कि भाजपा ने भी छत्तीसगढ़ के सभी 90 विधानसभा सीटों पर नाम तय कर लिए। 21 प्रत्याशियों की सूची जारी करने के बाद शेष 69 सीटों पर प्रत्याशियों की घोषणा बाकी है। बताया जा रह है कि भाजपा जल्द ही 40 सीटों पर प्रत्याशियों की घोषणा कर सूची जारी करेगी। एक दो दिनों में भाजपा की दूसरी सूची आ सकती है।

जगदलपुर में मोदी की सभा, इसी दिन कांग्रेस ने किया बंद का ऐलान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 3 अक्टूबर को बस्तर दौरे पर रहेंगे। पीएम मोदी के बस्तर दौरे को नाकाम करने कांग्रेस ने बड़ी चाल चल दी है। पीएम मोदी 3 अक्टूबर को जगदलपुर के लालबाग मैदान में चुनावी सभा लेंगे और कांग्रेस ने इसी दिन बस्तर बंद का ऐलान किया है।

कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन रायपुर में रविवार को इस संबंध में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस हुई। प्रेस कॉन्फ्रेंस में सीएम भूपेश बघेल और पीसीसी चीफ दीपक बैज ने भाजपा पर जमकर निशाना साधा। इस दौरान सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि बिलासपुर में पीएम मोदी आए और झूठ बोलकर

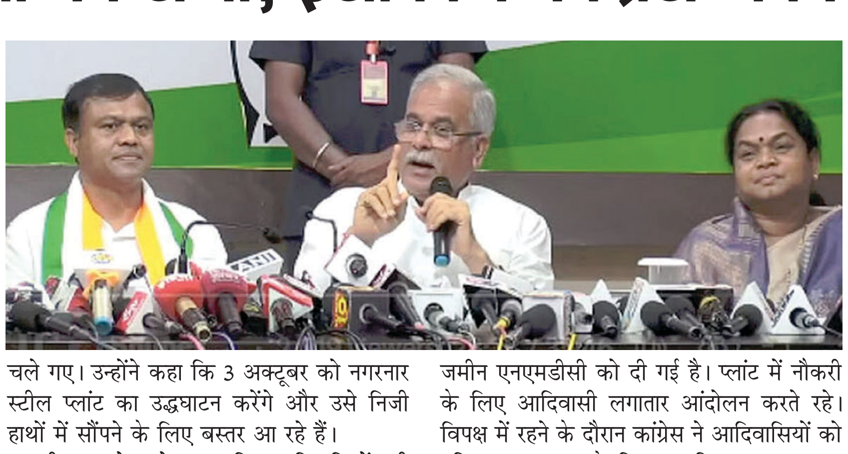

चले गए। उन्होंने कहा कि 3 अक्टूबर को नगरनार स्टील प्लांट का उद्घघाटन करेंगे और उसे निजी हाथों में सौंपने के लिए बस्तर आ रहे हैं।

सीएम बघेल ने कहा कि आदिवासियों की जमीन एनएमडीसी को दी गई है। प्लांट में नौकरी के लिए आदिवासी लगातार आंदोलन करते रहे। विपक्ष में रहने के दौरान कांग्रेस ने आदिवासियों को उचित व्यवस्थापन के लिए पत्र लिखा था। सरकार में आने के बाद नगरनार प्लांट को राज्य सरकार ने विधानसभा में संकल्प पारित कर प्लांट के अधिग्रहण की बात रखी लेकिन केन्द्र सरकार ने यहां भी अडंगा लगा दिया।

उन्होंने कहा कि भाजपा विधायकों ने भी विधानसभा में स्टील प्लांट के निजीकरण नहीं करने और अधिग्रहण की स्थिति में राज्य सरकार को दिये जाने के अशासकीय संकल्प पर सहमति दी थी। पूर्व मुख्यमंत्री डॉक्टर रमन सिंह ने इस संदर्भ में एक पत्र लिखा था। अब अंतत: भाजपा नगरनार प्लांट को निजी हाथों में सौंपने की तैयारी कर ली है। इसे लेकर आदिवासी समाज भी आक्रोशित है और विरोध प्रदर्शन की रणनीति बनाई है। यही वजह है कि 3 अक्टूबर को बस्तर बंद का आह्वान किया गया है।

सितंबर में 10 फीसदी बढ़ा जीएसटी कलेक्शन, इस वित्त वर्ष में चौथी बार 1.62 लाख करोड़ के पार

नई दिल्ली। देश में सकल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह सितंबर में सालाना आधार पर 10 प्रतिशत बढ़ा। यह 1.62 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा रहा। चालू वित्त वर्ष में यह चौथा महीना है, जब कर संग्रह 1.6 लाख करोड़ रुपए के आंकड़े को पार कर गया है। पिछले महीने सकल जीएसटी राजस्व 1,62,712 करोड़ रुपए रहा था। इसमें केंद्रीय जीएसटी 29,818 करोड़, राज्य जीएसटी 37,657 करोड़, एकीकृत जीएसटी 83,623 करोड़ (माल के आयात पर जमा 41,145 करोड़ रुपये सहित) और उपकर 11,613 करोड़ (माल के आयात पर जमा 881 करोड़ रुपये सहित) था।

संपादकीय

अंतरिक्ष में भारत

भारतीय विज्ञान के लिए यह बड़ी खुशखबरी है कि भारत से सूर्य की ओर रवाना हुआ आदित्य-एल1 अंतरिक्ष यान सफलतापूर्वक पृथ्वी के प्रभाव क्षेत्र से आगे निकल गया है और अब सूर्य-पृथ्वी लैग्रेंज प्वाइंट 1 (एल1) की ओर तेजी से बढ़ रहा है। इस यान को सूर्य की बाहरी कक्षा में पहुंचना है, ताकि वह सूर्य की परिक्रमा करते हुए अपने अध्ययन-शोध के कार्य को आगे बढ़ा सके। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन - इसरो ने बताया है कि यह अंतरिक्ष यान पृथ्वी से 9.2 लाख किलोमीटर से अधिक की दूरी तय कर चुका है। यह दूसरी बार है, जब किसी भारतीय यान ने पृथ्वी के प्रभाव क्षेत्र को पार किया है। आदित्य-एल1 से पहले मंगलयान यह कारनामा कर चुका है। पृथ्वी के प्रभाव क्षेत्र से परे किसी यान को पहुंचाना एक बड़ी वैज्ञानिक योग्यता है और भारत द्वारा अपनी इस योग्यता को दो-दो बार साबित करना एक बड़ी कामयाबी है। आदित्य-एल1 पर अब दुनिया के दूसरे अंतरिक्ष विज्ञान केंद्र भी निगाह रखे हुए हैं और यह यान एक के बाद एक बाधाएं पार करता चला जा रहा है। जैसे मंगलयान एक ऑर्बिटर था, ठीक उसी तरह आदित्य-एल1 भी ऑर्बिटर है। याद रखने की बात है कि आदित्य-एल1 ठीक एक महीने पहले 2 सितंबर को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा में सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से रवाना हुआ है और कुल चार महीने में पृथ्वी से 15 लाख किलोमीटर दूर अपनी निर्धारित कक्षा में पहुंच जाएगा। आदित्य की चर्चा जहां तेज हो रही है, वहीं चंद्रयान की चर्चा थमने का नाम नहीं ले रही है। 30 सितंबर को चंद्रमा के दूसरी ओर रात होने के साथ ही चंद्रयान-3 मिशन के तहत लैंडर और रोवर के दोबारा शुरू होने की उम्मीद अब बहुत कम हो गई है। वैसे तो चंद्रयान-3 मिशन ने चंद्रमा पर उतरने सहित अपने सभी प्रारंभिक उद्देश्यों को पूरा कर लिया है, लेकिन वैज्ञानिकों को यह उम्मीद थी कि चांद के उस हिस्से में फिर दिन होने पर ये उपकरण काम करना शुरू कर देंगे। चांद के उस हिस्से में पृथ्वी के 14 दिन बराबर लंबी रात होने से पहले वैज्ञानिकों ने विक्रम लैंडर और प्रज्ञान रोवर को स्लीप मोड में डाल दिया था। जिस जगह पर विक्रम और प्रज्ञान चांद पर उतरे थे, उसे शिव शक्ति बिंदु नाम दिया गया था और वहां सूर्य की रोशनी लौटने के बावजूद संचार को फिर स्थापित करने के प्रयास विफल रहे हैं। इसरो को इस दिशा में और काम करना होगा। आखिर माइनस 200 डिग्री सेल्सियस तापमान में किसी उपकरण को कैसे सुरक्षित रखा जा सकता है? चुनौतियों को दूर करना और अध्ययन को आगे बढ़ाना जरूरी है। ध्यान रहे, पिछले सप्ताह ही एक चीनी वैज्ञानिक ने चंद्रयान-3 की कामयाबी पर सवाल खड़े किए हैं। दरअसल, चीन भारतीय सफलता को पचा नहीं पा रहा है। इसका एक ही उपाय है कि भारत अपनी योग्यता को बार-बार प्रमाणित करे। उसके ईर्ष्यालु आलोचकों को यही मुंहतोड़ जवाब है। बहरहाल, यह अच्छी बात है कि भारतीय वैज्ञानिक पूरे उत्साह के साथ अपने आगे के अभियानों में लगे हुए हैं और उन्हें किसी भी प्रकार के संसाधन का अभाव नहीं होना चाहिए। चंद्रयान-3 की सॉफ्ट लैंडिंग की ऐतिहासिक उपलब्धि के ठीक एक महीने बाद इसरो ने अब अपना ध्यान शुक्र की ओर केंद्रित कर दिया है। शुक्रयान के कुछ पेलोड या उपकरण विकास के चरण में हैं। इसके अलावा, मंगल ग्रह पर अंतरिक्ष यान उतारने की परियोजना पर भी काम चल रहा है। संकेत स्पष्ट हैं कि भारत अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में अब आगे बढ़ता चला जाएगा।

> “ चुनौतियों को दूर करना और अध्ययन को आगे बढ़ाना जरूरी है। ध्यान रहे, पिछले सप्ताह ही एक चीनी वैज्ञानिक ने चंद्रयान-3 की कामयाबी पर सवाल खड़े किए हैं। दरअसल, चीन भारतीय सफलता को पचा नहीं पा रहा है। इसका एक ही उपाय है कि भारत अपनी योग्यता को बार-बार प्रमाणित करे। उसके ईर्ष्यालु आलोचकों को यही मुंहतोड़ जवाब है।

रोजगार की भयावह तस्वीर

भारत में बेरोजगारी की समस्या गंभीर रूप लेती जा रही है। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि इसके बावजूद यह मुख्य राजनीतिक विमर्श का हिस्सा नहीं है। विपक्षी नेता जब-तक इस समस्या का जिक्र जरूर करते हैं, लेकिन समस्या क्यों है और उसका समाधान क्या है, इन सवालों पर उनके पास कहने के लिए कुछ नहीं होता। उनका सिर्फ यह कहना होता है कि नरेंद्र मोदी सरकार ने बेरोजगारी बढ़ा दी है। बेशक, वर्तमान सरकार के कुछ कदम बेरोजगारी को बढ़ाने वाले रहे हैं, लेकिन कुल मिलाकर यह समस्या व्यवस्थागत है। जब तक उस पर ध्यान नहीं दिया जाता, इसका कोई समाधान नहीं निकल सकता। फिलहाल, अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय की ताजा रिपोर्ट चर्चा में है, जिसमें बताया गया है कि भारत में 15 प्रतिशत से ज्यादा ग्रैजुएट बेरोजगार हैं। 25 साल से कम उम्र के ग्रैजुएट्स के बीच तो बेरोजगारी दर 42 प्रतिशत तक है। 'स्टेट ऑफ वर्किंग इंडिया-2023' रिपोर्ट में भारत में रोजगार की चिंताजनक तस्वीर पेश की है। बताया गया है कि 2019 के बाद से भारत में नियमित वेतन की नौकरियों के सृजन की रफ्तार कम हुई है। इसका एक बड़ा कारण कोविड-19 महामारी रही। महामारी के बाद रोजगार की स्थिति में सुधार हुआ। ग्रैजुएट लोगों को नौकरियां मिलने लगीं। लेकिन सवाल बना हुआ है कि उन्हें किस तरह की नौकरियां मिल रही हैं और क्या ये उनके कौशल और आकांक्षाओं से मेल खाती हैं? जाहिर है, ऐसी स्थिति नहीं है। हाल ही कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दिल्ली के आनंद विहार स्टेशन पर कुली कर्मियों से संवाद किया। उस दौरान सामने आया कि कुछ ग्रैजुएट कुली का काम कर रहे हैं। महिलाओं में तो रोजगार की दर 2004 के बाद से या तो रुकी हुई रही या गिरी है। 2019 के बाद से महिलाओं के बीच घरेलू आर्थिक दबाव के कारण स्वरोजगार का ट्रेंड जरूर बढ़ा है। लेकिन अपने देश की यह हकीकत कायम है कि स्वरोजगार अक्सर मजबूरी में किया जाता है और ज्यादातर मामलों में इसका अर्थ अर्ध-रोजगार होता है। खुद रिपोर्ट में बताया गया है कि नियमित वेतन वाली नौकरी की जगह महिलाओं के बीच स्वरोजगार बढ़ा और इस वजह से उनकी आमदनी घट गई।

पितृपक्ष में क्या करेंगी पार्टियां?

श्राद्ध का समय शुरू हो गया है। अगले 15 दिन तक हिंदू मान्यता के हिसाब से कोई शुभ काम नहीं होगा और न कोई नया काम शुरू किया जाएगा। तभी सभी पार्टियों के नेता इस दुविधा में पड़े हैं कि अगले 15 दिन में उम्मीदवारों की सूची घोषित हो या नहीं। ध्यान रहे चुनाव आयोग ने अभी तक चुनावों की घोषणा नहीं है। अगर पांच राज्यों के पिछले विधानसभा चुनावों के शिड्यूल के हिसाब से देखें तो अक्टूबर के पहले या ज्यादा से ज्यादा दूसरे हफ्ते में चुनाव की घोषणा हो जानी चाहिए। चुनाव आयोग की टीमें राज्यों का दौरा कर रही हैं और चुनाव की तैयारियों की समीक्षा कर रही हैं। सो, पहला यक्ष प्रश्न है कि क्या चुनाव आयोग 14 अक्टूबर तक चलने वाले श्राद्ध पक्ष में चुनाव की घोषणा करेगा या पितृपक्ष समाप्त होने और नवरात्रों के शुरू होने का इंतजार करेगा।

दूसरा यक्ष प्रश्न यह है कि पार्टियां क्या करेंगी? भाजपा ने मध्य प्रदेश के 79 उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर चुकी है और छत्तीसगढ़ में भी पहली सूची में 21 नामों की घोषणा हुई है। इन दोनों राज्यों में ज्यादातर उम्मीदवारों के नाम की घोषणा रूकी है। राजस्थान, तेलंगाना और मिजोरम के लिए तो कोई नाम तय नहीं हुआ है। कांग्रेस ने अभी किसी राज्य में उम्मीदवार तय नहीं किए हैं या नाम की घोषणा नहीं की है। उसकी चुनाव समिति की बैठक भी नहीं हुई है। दोनों पार्टियों में धार्मिक मान्यताओं, ज्योतिष आदि को मानने वाले नेता चाहते हैं कि नवरात्रों में ही नाम की घोषणा की जाए।

> “ वरिष्ठ छात्रा व एक शिक्षिका के रूप में तथा उसके बाद समाज सेवा के दिनों में भी मैं गांधीजी के बारे में सोचा करती थी, और सामने उपस्थित परिस्थितियों को उनके दृष्टिकोण से समझने का प्रयास करती थी। मैं गांधीजी के लेखन या उन पर लिखी गई किताबें पढ़ती थी। मुझे उनसे जुड़े संस्मरणों के संग्रह बहुत अच्छे लगते थे।

पत्ते भी तोड़ो तो पेड़ से क्षमा मांग लो

द्रौपदी मुर्मु, राष्ट्रपति, भारत

गांधीजी को हम उन महान उपदेशकों में मानते हैं, जो धरती पर विरले ही आते हैं। वह एक महान आध्यात्मिक विभूति थे, लेकिन साथ ही, गरीबी, असमानता और अन्याय जैसी सांसारिक समस्याओं के बारे में भी वह चिंतित रहते थे। वह मानते थे कि वंचितों की सेवा किए बिना आध्यात्मिक विकास असंभव है। गांधीजी की राजनीति भी उनकी आध्यात्मिक यात्रा का ही एक हिस्सा थी। उन्होंने अपनी राजनीति को धर्म का आधार प्रदान किया, किसी संकीर्ण अर्थ में नहीं, अपितु नैतिकता के व्यापक अर्थ में।

गांधीजी की अद्भुत विचार-शक्ति के दायरे में स्वच्छता, समाज में महिलाओं का स्थान, पारंपरिक कला और शिल्प का पुनरुद्धार, साम्राज्यवाद पर आधारित शोषण जैसे अनेक मुद्दे शामिल थे। उनकी ग्रंथावली के 97 खंड हैं। उन्होंने जिन विषयों पर लिखा या बोला, उन सबकी सूची के लिए भी एक पूरे खंड की आवश्यकता होती है। गांधीजी के अधिकांश समय का उपयोग स्वाधीनता संग्राम को नेतृत्व प्रदान करने में हुआ था। बचे हुए समय में ही वह लेखन कार्य कर पाते थे। उनके विचार बौद्धिक विलास मात्र नहीं थे, बल्कि सत्य के प्रयोगों के परिणाम थे। गांधीजी के अनुसार, जो दर्शन जीवन के लिए उपयोगी नहीं, वह 'धूल की तरह निष्प्राण' है। उनकी कथनी, करनी और विचार में पूर्ण एकता थी। यही कारण है, उनकी बातें हम सबके लिए आज भी प्रासंगिक बनी हुई हैं।

मेरा जन्म गांधीजी के देहावसान के एक दशक बाद हुआ था। मेरे बचपन के दौरान आस-पास के वातावरण में उनका गहरा प्रभाव व्याप्त था। गांव के बुजुर्ग 'बापू' की चर्चा किया करते थे। उनकी सादगी और जीव-जंतुओं के प्रति करुणा मेरे बाल-मन को छू जाती थी। तस्वीरों में उनकी संत जैसी छवि हमें बेहतर इंसान बनने के लिए मानो साक्षात् प्रेरित करती थी।

वरिष्ठ छात्रा व एक शिक्षिका के रूप में तथा उसके बाद समाज सेवा के दिनों में भी मैं गांधीजी के बारे में सोचा करती थी, और सामने उपस्थित परिस्थितियों को उनके दृष्टिकोण से समझने का प्रयास करती थी। मैं गांधीजी के लेखन या उन पर लिखी गई किताबें पढ़ती थी। मुझे उनसे जुड़े संस्मरणों के संग्रह बहुत अच्छे लगते थे। मैं मानती हूं कि ऐसे संग्रह, गांधीजी के व्यक्तित्व के सार-तत्व को समझने का सबसे अच्छा माध्यम हैं। बापू की झांकियां नामक एक ऐसा ही संग्रह है, जिसे उनके सुप्रसिद्ध सहयोगी काका कालेलकर ने लिखा है।

सन् 1930 में काका साहेब भी गांधीजी के साथ यरवदा जेल में थे। चरखा चलाने से पहले दोनों कपास की धुनाई करते थे। धुनकी की डोरी बरसात में नमी के कारण ढीली हो गई, तो उन्होंने डोरी को ठीक करने के लिए आंगन में रखी भट्ठी का उपयोग किया, लेकिन फिर भी उसमें ऐंठन बनी रही। डोरी को ठीक करने के लिए उन्होंने उसे नीम की पत्तियां से रगड़ने की सोची। काका साहेब लिखते हैं, 'एक दिन बापू ने देखा कि मैं चार-पांच पत्तों के लिए पूरी टहनी तोड़ लाया हूं, तो कहने लगे- यह तो हिंसा है। और लोग न समझें, लेकिन तुम तो आसानी से समझ सकते हो। ये चार पत्ते भी हमें पेड़ से क्षमा मांगकर ही तोड़ने चाहिए। तुम तो पूरी टहनी तोड़ लाए हो!

गांधीजी के इस कथन से कई स्तरों पर अनेक बातें साफ-साफ समझ में आती हैं। हिंसा की उनकी धारणा में इतनी संवेदनशीलता थी कि एक टहनी को तोड़ने से भी उन्हें आघात होता था। किफायत पर जोर देने की उनकी बात भी समझ में आती है, जहां केवल चार पत्तियों से काम चल जाए, वहां पूरी टहनी का उपयोग नहीं करना चाहिए, चाहे उस टहनी का 'मूल्य' कुछ भी हो। पत्तों को तोड़ने से पहले पेड़ से माफी मांगने की उनकी सलाह में एक सच्चे महात्मा का दर्शन होता है। इस कथन में उनकी विश्व-दृष्टि झलकती है।

यह इस तरह की एकमात्र घटना नहीं है। प्रकृति के प्रति गहरा सम्मान और विनम्रता उनके दैनिक जीवन में रची-बसी थी। उनके अनेक सहयोगियों ने ऐसे संस्मरणों का जिक्र किया है। गांधी जयंती के अवसर पर आलेख के लिए उस विशाल विषय-सूची-खंड से, जिसका मैंने पहले उल्लेख किया है, किसी भी विषय को चुना जा सकता है। मैंने प्रकृति के प्रति उनके दृष्टिकोण पर प्रकाश डालने के बारे में इसलिए सोचा कि मेरे विचार में मानवता के अस्तित्व के सम्मुख गंभीर संकट आसन्न है, यदि हम अब तक संकटकाल में प्रविष्ट न हो चुके हों। प्रकृति के प्रति सम्मान व्यक्त करने के लिए काका साहेब को गांधीजी की सलाह तथा उनकी जीवन शैली के बारे में प्रचलित अनेक संस्मरण भावी पीढ़ियों का मार्गदर्शन करते रहेंगे।

वैज्ञानिक और नीति-निर्माता कहते हैं कि हमारी धरती संकट में है। लगभग दो शताब्दियों तक प्राकृतिक संसाधनों के निरंतर दोहन के बाद पृथ्वी खाली सी होने लगी है। इससे जलवायु परिवर्तन हो रहा है। भारत के कई हिस्सों में प्रकृति के प्रकोप को बार-बार देखा गया है। इस वर्ष उत्तर के कुछ राज्यों में बाढ़ से हुई तबाही का स्तर अभूतपूर्व था। मैं कोई निराशापूर्ण संदेश नहीं देना चाहती। इन समस्याओं के वैज्ञानिक व तकनीकी समाधान के लिए आधुनिक युग के सबसे बुद्धिमान लोग दिन-रात कड़ी मेहनत कर रहे हैं तथा विश्व-समुदाय के नेतागण सर्वोत्तम नीतिगत समाधानों के लिए प्रयासरत हैं। हमारे लिए गर्व की बात है कि भारत ने गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों के क्षेत्र में नेतृत्व प्रदान किया है। फिर भी, चुनौती की व्यापकता को देखते हुए, सभी नागरिकों को व्यक्तिगत स्तर पर हरसंभव प्रयास करना चाहिए। जैसे, एक पत्ता भी तोड़ने से पहले पेड़ से क्षमा मांगें और प्रकृति का संरक्षण करें।

'महात्मा के पद-चिह्नों पर चलना', यह आदर्श अक्सर दोहराया जाता है। हालांकि, गांधीजी इस बात पर हमेशा जोर देते थे कि जो कार्य वह स्वयं कर पाते थे, वैसे काम हरेक व्यक्ति कर सकता है। गांधीजी के मानदंड बहुत ऊंचे थे और अधिकांश लोगों ने यह समझ लिया था कि पूरी तरह से उनका अनुसरण करना अत्यधिक कठिन और चुनौतीपूर्ण है।

गांधीजी, ऐसी यात्रा का आरंभ करने वाले लोगों की कठिनाइयों से भली-भांति अवगत थे। इसीलिए उन्होंने छोटी-छोटी शुरुआत करने और बाद में ऐसे प्रयासों का विस्तार करने का सुझाव दिया था। मैं चाहती हूं कि गांधीजी की शिक्षा के अनुसार सभी व्यक्ति अपने परिवारी-जन व आस-पड़ोस के समाज के साथ सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलना शुरू करें और इस यात्रा को निरंतर विस्तार देते रहें।

इतिहास ही नहीं, भविष्य के भी नायक बनते जा रहे महात्मा गांधी

कुमार प्रशांत, वरिष्ठ पत्रकार

तब दक्षिण अफ्रीका से कर्मवीर मोहनदास करमचंद गांधी भारत आए ही थे। दक्षिण अफ्रीका के साथियों के बीच वह 'गांधी भाई' कहलाते थे। वहां उन्होंने जो किया और जिस तरह किया, उसे यहां के किसी ने प्रत्यक्ष देखा नहीं था सिवाय गोपालकृष्ण गोखले के। उनके साथ लोगों का कौतूहल तो जुड़ा था, लेकिन वह ज्यादातर कौतुक के विषय बने हुए थे।

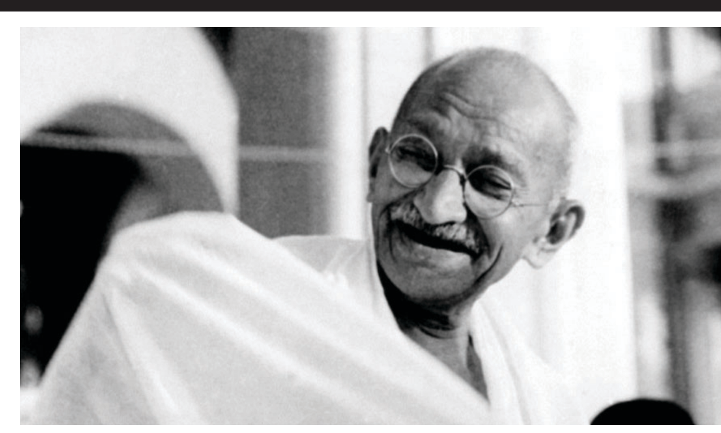

भारतीय राजनीति का यह कौतुक उस दिन बिहार के मुजफ्फरपुर पहुंचा था। मुजफ्फरपुर में अपने एकमात्र जानकार इतिहास के प्रोफेसर आचार्य जे बी कृपलानी के साथ, उनके कॉलेज निवास में रुका था। जाना था चंपारण, तो मुजफ्फरपुर एक पड़ाव भर था रास्ते का। प्रोफेसर साहब ने अपने विभाग के कुछ लड़कों को बुला रखा था, जो उनसे बातचीत करने बैठे थे। गांधी ने अपनी बात शुरू की, 'मैंने दक्षिण अफ्रीका में लड़ाई का एक नया हथियार खोजा है, सत्याग्रह। मुझे लगता है कि भारत की आजादी की लड़ाई में भी इस हथियार का इस्तेमाल कर हम सफलता पा सकते हैं। लड़कों ने बात सुन ली, लेकिन प्रोफेसर कृपलानी खुद को रोक नहीं सके। बोले, 'मिस्टर गांधी, कहने के लिए ये सारी बातें तो ठीक हैं, पर इतिहास में इसकी कोई नजीर नहीं है। कहीं भी, कभी भी किसी सत्याग्रह से कोई देश गुलामी से छूटा हो, ऐसा इतिहास में कहीं लिखा नहीं है।

गांधीजी अचानक ही गंभीर हो गए। फिर बोले, 'आप ठीक कहते हैं प्रोफेसर, लेकिन एक फर्क है कि कुछ लोग इतिहास पढ़ाते हैं, कुछ लोग इतिहास बनाते हैं। जब वह इतिहास बन जाता है, तो आप जैसे प्रोफेसर उसे पढ़ाने लगते हैं।' सन्नाटा छा गया। प्रोफेसर कृपलानी अवाक् देखते रह गए- कैसा आत्मविश्वास है इस आदमी का, जो एक नया इतिहास बनाने का दावा कर रहा है। वह इतिहास बिहार के चंपारण में बना, सफल हुआ और फिर दुनिया भर पढ़ाया भी जाने लगा।

गांधीजी ने आजादी का लड़ाई में चुन-चुनकर अपने आदमी जुटाए; कांग्रेस का नेतृत्व कुलीन अंग्रेजीदां भारतीयों के हाथों से लेकर किसानों के हाथ में सौंप दिया; उनका प्रशिक्षण किया, उन्हें मोर्चों पर तैनात किया। न देशों की भिन्नता उन्हें रोक सकी, न भाषा की दीवार उनको किसी से दूर रख सकी, न धर्मों का भेद उन्हें सबको साथ लेने से विरत कर सका, न हिंसा की फुंफकार उनको भयभीत कर सकी। उन्होंने स्त्री-पुरुष को कभी भिन्न नजर से नहीं देखा, देश को बस एक ही बात समझाई, हम एक हैं और हमारे सामने आजादी पाने से अलग या बड़ा दूसरा कोई लक्ष्य नहीं है।

गांधीजी ने देश को तीन चीजें दीं- भय से मुक्ति, एकजुटता और लड़ाई का एक नया हथियार! मतलब आत्मविश्वास, संगठन व अहिंसक क्रांति के लिए संघर्ष की तैयारी। गांधी के साथ जितने दूसरे तत्व हम जुड़ा पाते हैं, वे सब इन तीनों को साधने के उपक्रम हैं। आजादी के बाद गांधी बमुश्किल पांच महीने सांस ले सके। आजादी के बाद हमने सबसे पहले अपने गांधी से छुट्टी पा ली, लेकिन छुट्टी पा सके क्या? संविधान सभा में वह कभी गए नहीं, लेकिन हमारे संविधान पर उनकी गहरी छाप पड़ी। गांधीजी का असर नहीं होता, तो सत्ता, संपत्ति, डिग्री, ओहदा आदि किसी का फर्क किए बिना वयस्क मताधिकार नहीं मिला होता, पिछड़ों के लिए आरक्षण का प्रावधान नहीं होता, औरतों की समानता का तत्व नहीं होता, भाषा के बारे में वह लचीलापन नहीं होता, जो आज भी देश को संभाल लेता है, न्यायपालिका की सामाजिक भूमिका नहीं निखरती, आदिवासियों के विशेषाधिकार की बात मान्य नहीं होती। गांधी न होते, तो हमारे संविधान में वह अध्याय ही नहीं होता, जिसे राज्य के नीति-निर्देशक तत्व कहते हैं। देश ने गांधी से उल्टी दिशा जरूर पकड़ी, पर गांधी की दिशा का बोध एक दबाव की तरह बना रहा।

गांधी की हत्या भले 30 जनवरी, 1948 को की गई, मगर हत्यारे भी जानते हैं कि वह उनकी गोली से मरे नहीं। शरीर से मुक्त होकर गांधी सर्वत्र पहुंच गए, इसलिए उस दिन से आज तक उन्हें मारने का लगातार उपक्रम जारी है। मगर गांधी ऐसे अभियानों से क्लांत नहीं हुए हैं। वह लगातार इन सबकी पहुंच से बाहर निकलकर नए-नए लोगों तक पहुंच रहे हैं। गांधी आज इतिहास के नहीं, भविष्य के नायक बनते जा रहे हैं।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

भारत-अमेरिका संबंधों पर काली छाया

डॉ. दिलीप चौबे

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने भारत और अमेरिका दोनों के लिए बड़ी कूटनीतिक चुनौती पेश कर दी है। ट्रूडो की नासमझी या शरारत के कारण अंतरराष्ट्रीय संबंधों में ही न हीं बल्कि भारत के राजनीतिक-सामाजिक जीवन में भी समस्या पैदा हो सकती है। खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर ट्रूडो के आरोप करीब 15 दिन बाद भी कूटनीतिक संबंधों में तनाव का कारण बने हुए हैं।

इस विवाद की काली छाया भारत और अमेरिका के संबंधों पर भी पड़ सकती है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर की लंबी अमेरिका यात्रा भी इस विवाद को सुलझाने में सफल नहीं हो पाई। जयशंकर ने अमेरिकी विदेश मंत्री ब्लिंकन से कई बार मुलाकात की तथा भारत का पक्ष रखा। जयशंकर ने कनाडा में खालिस्तान समर्थकों की गतिविधियों और हिंसक वारदात की विस्तार से जानकारी दी लेकिन लगता है कि ब्लिंकन ने एक कान से सुना और दूसरे कान से निकाल दिया। अपने ताजा बयान में ब्लिंकन ने वही बात कही जो करीब 15 दिन पहले कही थी। उन्होंने कहा कि भारत को जांच में कनाडा के साथ सहयोग करना चाहिए तथा दोषियों को सजा मिलनी चाहिए। ब्लिंकन ने एक बार भी कनाडा, अमेरिका, ब्रिटेन और आस्ट्रेलिया में खालिस्तानी तत्वों की मौजूदगी और भारत विरोधी गतिविधियों के बारे में एक शब्द भी नहीं कहा। जाहिर है कि ब्लिंकन के इस रवैये से जयशंकर क्षुब्ध हुए होंगे। उन्होंने शालीनता का परिचय देते हुए कहा 'ब्लिंकन ने जो कहा उसे हमने देखा है। हमें यह आशा है कि हम जो कह रहे हैं, वह अमेरिका देख रहा है। इस संबंध में हमें आगे कुछ नहीं कहना। जयशंकर का यह बयान एक भूचाल का भी संकेत हो सकता है।

कनाडा और अमेरिका के रवैये से खालिस्तानी तत्वों के हौसले बुलंद हैं। इसका ताजा उदाहरण स्काटलैंड के गुरुद्वारे में भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दोरईस्वामी को प्रवेश से रोका जाना है। दो खालिस्तान समर्थकों की इस करतूत के सामने गुरुद्वारा प्रबंधक कमिटी के सदस्य बेबस नजर आए। इसका कारण यह है कि खालिस्तान समर्थक तत्वों को कानून-व्यवस्था और पुलिस का कोई भय नहीं है। ब्रिटेन की विपक्षी लेबर पार्टी के कई सांसद खालिस्तान समर्थकों को शह देते हैं। यह आश्चर्य की बात है कि खालिस्तान समर्थक तत्वों द्वारा भारतीय राजनयिकों को धमकियां देने और राजनयिक मिशनों को निशाना बनाए जाने के बारे में पश्चिमी देशों की सरकारें निष्क्रिय क्यों हैं।

वास्तव में इन देशों में भारत ही नहीं बल्कि श्रीलंका और बांग्लादेश सहित अनेक देशों के पृथकतावादी और आतंकवादी पनाह लिए हुए हैं। बांग्लादेश ने खुले रूप से आरोप लगाया है कि बंगबंधु शेख मुजीबुर्रहमान के हत्यारे कनाडा में निर्द्वंद्व घूम रहे हैं। उनके बांग्लादेश प्रत्यर्पण की मांग पर कनाडा सरकार कोई ध्यान नहीं दे रही है। यह सच्चाई है कि पश्चिमी देश विभिन्न देशों के आतंकवादी और अलगाववादियों को अपने यहां पनाह देते हैं तथा उन देशों में अस्थिरता पैदा करने के लिए इन तत्वों का इस्तेमाल किया जाता है।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अमेरिका के नेताओं को बताया कि कनाडा का यह रवैया नया नहीं है। कनाडा 1980 के दशक से ही भारत के लिए समस्या बना हुआ है। बीच के कालखंड में कुछ सुधार हुआ था, लेकिन हाल के वर्षों में खालिस्तानी तत्वों की गतिविधियों में फिर तेजी आ गई है। नागरिक विमानन के क्षेत्र में बड़ी आतंकवादी घटना एअर इंडिया के कनिष्क विमान को नष्ट किया जाना था। मृतक अधिकांश यात्रियों में भारतीय शामिल थे। कनाडा सरकार ने इस आतंक की घटना पर पर्दा डालने की हरसंभव कोशिश की। प्रधानमंत्री ट्रूडो भी इसी नीति का अनुसरण कर रहे हैं।

अमेरिका और कनाडा के बीच 'खून का रिश्ता' है। अमेरिकी सरकार हमेशा कनाडा की हां-में-हां मिलाएगी। आने वाले दिनों में खालिस्तान का मुद्दा भारतीय विदेश नीति को नया मोड़ देने का कारण बन सकता है। पश्चिमी देशों की मीडिया पहले से ही प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार का विरोध करते रहे हैं। अब वहां की सरकारें भी ऐसा रवैया अपनाने का संकेत दे रही हैं। यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने संबोधन में जयशंकर ने कनाडा और पश्चिमी देशों की परोक्ष आलोचना की। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के बारे में दोहरा रवैया बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair

DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

विस् अध्यक्ष डॉ. महंत ने महात्मा गांधी जयंती एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लालबहादुर शास्त्री की जयंती पर किया स्मरण

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लालबहादुर शास्त्री की जयंती पर उन्हें याद करते हुए स्मरण किया। विस् अध्यक्ष डॉ. महंत ने कहा, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने अपने अथक प्रयासों के बल पर अंग्रेजों से भारत को आजाद कराया, यही नहीं इस महापुरुष ने अपना पूरा जीवन राष्ट्रहित में लगा दिया। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के पास सत्य और अहिंसा दो हथियार थे, जिन्होंने इसे भयावह और बेहद कठिन परिस्थितियों में अपनाया। शांति के मार्ग पर चलकर बड़े से बड़े आंदोलनों में आसानी से जीत हासिल की बल्कि बाकी लोगों के लिए प्रेरणा स्त्रोत भी बने। उन्होंने कहा, महात्मा गांधी को राष्ट्रपिता और बापू जी के नामों से भी पुकारा जाता है, वे सादा जीवन, उच्च विचार की सोच वाली शख्सियत थे। उन्होंने अपना पूरा जीवन सदाचार में गुजारा । वे अपने व्यक्तित्व का प्रभाव न सिर्फ भारत में ही बल्कि पूरी दुनिया में डाला। महात्मा गांधी कोई भी फॉर्मूला पहले खुद पर अपनाते थे और फिर अपनी गलतियों से सीख लेने की कोशिश करते थे। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी हमेशा कहते थे, बुरा मत देखो, बुरा मत सुनो और बुरा मत कहो । वे आदर्शों पर चलने वाले व्यक्ति थे और उनके जीवन के इन्हीं आदर्शों ने उन्हें राष्ट्रपिता की संज्ञा दिलवाई । विस् अध्यक्ष डॉ. महंत ने कहा कि, आज ही के दिन लाल बहादुर शास्त्री जी का भी जन्मदिन है, लाल बहादुर शास्त्री को न सिर्फ एक सच्चे देशभक्त और महान स्वतंत्रता सेनानी के रुप में जाना जाता है, बल्कि उनकी छवि एक दूरदर्शी, ईमानदार और निष्ठावान राजनेता के रुप में है।

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र ने स्वच्छ भारत अभियान के तहत स्वच्छता ही सेवा का किया शुभारंभ

इस्पात बिरादरी ने महात्मा गांधी को 154 वीं जयंती के पूर्व स्वच्छांजलि अर्पित की

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के विभिन्न विभागों में 15 सितंबर से 2 अक्टूबर, 2023 तक स्वच्छता ही सेवा स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य महात्मा गांधी के सपनों को साकार करने के लिए एक जन आंदोलन को तेज करके स्वच्छता के मुद्दों, प्रथाओं और 'स्वच्छ भारत दृ क्लीन इंडिया' के दृष्टिकोण पर ध्यान केंद्रित करना है। भारत सरकार की स्वच्छ भारत पहल के तहत भिलाई इस्पात संयंत्र ने नगर सेवाएं विभाग, सी एस आर विभाग, खदान विभाग, संयंत्र बिरादरी और चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा संयुक्त रूप से 01 अक्टूबर, 2023 को महात्मा गांधी की 154 वीं जयंती मनाने के एक दिन पूर्व नेहरू आर्ट गैलरी, सिविक सेंटर क्षेत्र में मुख्य रूप से स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इसके साथ ही संयंत्र के जवाहर लाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र, सेक्टर 9 सी एस आर विभाग द्वारा देवबलौदा चरोदा में, दिल्ली राजहरा खदान क्षेत्र में राजहरा बाबा के मंदिर से स्वच्छ भारत अभियान के तहत स्वच्छता ही सेवा की शुरुआत की। इस्पात नगरी भिलाई में इस अवसर पर इस्पात बिरादरी के सदस्यों, उपस्थित वरिष्ठ अधिकारियों, संयंत्र कर्मियों, सफाई कर्मियों एवं आम नागरिकों को स्वच्छता के प्रति प्रतिबद्धता की शपथ भी दिलाई गई।

सिविक सेंटर भिलाई में स्वच्छता ही सेवा

नेहरू आर्ट गैलरी, सिविक सेंटर, भिलाई में स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम का आयोजन नगर सेवाएं विभाग द्वारा किया गया। इस अवसर पर संयंत्र के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अनिर्बान दासगुप्ता ने इस अवसर झाड़ू लगा कर सफाई और स्वच्छता कर्मियों का सम्मान करते अभियान का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर निदेशक प्रभारी के साथ कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) श्री अंजनी कुमार, कार्यपालक निदेशक ए के चक्रवर्ती, कार्यपालक निदेशक समीर स्वरूप, कार्यपालक निदेशक बी के गिरी, मुख्य चिकित्सक अधिकारी प्रभारी एम रवीन्द्रनाथ, कार्यकारी कार्यपालक निदेशक डी एन करन एवं कार्यकारी कार्यपालक निदेशक श्रीमती निशा सोनी भी उपस्थित थीं। इसके अलावा मुख्य महाप्रबंधक जे वाई सपकाले और अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण, संयंत्र के कार्मिक और बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित थे। मुख्य अतिथि अनिर्बान दासगुप्ता के मार्गदर्शन में सभी अतिथियों ने सामूहिक रूप से श्रमदान किया और नेहरू आप गैलरी के सामने के परिसर की सफाई की। इसी कड़ी में श्री अनिर्बान दासगुप्ता ने स्वच्छता दूत, स्वच्छता वीर और डेंगू वीर, इन तीन श्रेणियों में सफाई कर्मियों को सम्मानित किया। सभा को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि श्री अनिर्बान दासगुप्ता ने टाउनशिप में स्वच्छता बनाए रखने और डेंगू रोकथाम अभियान में उनके योगदान के लिए नगर सेवाएं विभाग और सभी सफाई कर्मियों को बधाई दी और कहा कि 'स्वच्छांजलि' या स्वच्छता की श्रद्धांजलि शायद सबसे अच्छी श्रद्धांजलि है, जिसे हम हमारे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी कल उनकी जयंती पर दे सकते हैं।

ये कहते हुए सभी सफाई कर्मियों और डेंगू वीर कर्मियों के साथ निदेशक प्रभारी सहित सभी कार्यपालक निदेशक और उच्च प्रबंधन ने सिविक सेंटर में झाड़ू लगा कर महात्मा गांधी को स्वच्छांजलि अर्पित की। उन्होंने अपने संबोधन में अपशिष्ट निपटान की प्रक्रिया में, कचरे को सूखे और गीले कचरे में अलग अलग करना सफाई कर्मियों के एक चुनौती है। इसलिए यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम कचरे को स्पष्ट रूप से अलग करें, ताकि स्वच्छता कर्मियों का बोझ कम हो सके जो हमारे कचरे का निपटान करने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं।

भिलाई इस्पात संयंत्र के एसएलआरएम सेंटर में हम गीले कचरे को अच्छी गुणवत्ता वाले उर्वरक में और प्लास्टिक कचरे को प्लास्टिक दानों में परिवर्तित करके अपने कचरे का विवेकपूर्ण तरीके से उपयोग करते हैं, जिसका उपयोग हमारे कोक ओवन को ईंधन देने के लिए किया जाता है। श्री दासगुप्ता ने आयोजकों और इस्पात बिरादरी के लोगों से विशेष रूप से आगामी त्योहारों के दौरान स्वच्छता बनाए रखने और कचरे को अलग करने की अपील की।

निःशुल्क नियमित योगाभ्यास केन्द्र का शुभारंभ, लोगों ने साथ बैठकर किया योगाभ्यास

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ योग आयोग द्वारा नि:शुल्क नियमित योगाभ्यास कार्यक्रम के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 39 स्वामी आत्मानंद विद्या गार्डन अग्रसेन चौक, रायपुर में 47 वें नि:शुल्क नियमित योगाभ्यास केन्द्र का शुभारंभ किया गया।

ज्ञानेश शर्मा मान. अध्यक्ष छत्तीसगढ़ योग आयोग के मुख्य आतिथ्य में किया गया। छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि

के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर ज्ञानेश शर्मा ने कहा कि नि:शुल्क नियमित योगाभ्यास केंद्र का उद्देश्य अधिक से अधिक आमजनों को योग के माध्यम से स्वस्थ्य लाभ प्रदान करने का है। जिसके लिए छत्तीसगढ़ योग आयोग निरंतर प्रयासरत है। योगाभ्यास केन्द्र शुभारंभ के अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष, जिला साहू समाज सचिव देवकुमार साहू, रविकांत कुम्भकार प्रभारी अधिकारी, छबि राम साहू, आनंद सोनी, राजेंद्र भिलावे, शिवेंद्र बघेल, मनोज गुप्ता, ॠषि शर्मा, जया सोनी, सरबजीत, पूजा, कविता, संगीता, श्वेता, संजना सहित बड़ी संख्या में योग साधकगण उपस्थित रहे।

वन्य प्राणी संरक्षण सप्ताहः सांसद ज्योत्सना महंत ने 'गज यात्रा' रथ को हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य के वन मंडल कटघोरा के अंतर्गत वन परिक्षेत्र एटमानगर के बुका पर्यटन केन्द्र से हाथी मानवद्वंद जागरूकता कार्यक्रम के तहत 'गज यात्रा' रथ को हरी झण्डी दिखाकर सांसद श्रीमती ज्योत्सना चरण दास महंत द्वारा रवाना किया गया और वन्य प्राणी संरक्षण सप्ताह के कार्यक्रम की शुरूआत की गई।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि विधायक मोहित राम केरकेट्टा, विधायक पाली तानाखार हरिश परसाई, सदस्य खाद्य आयोग असरफ मेमन और मनोज चौहान, सुश्री उषा तिवारी, सरपंच एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ लोक कलाकारों की प्रस्तुति के साथ बड़े ही मनमोहक ढंग से किया गया।

गौरतबल है कि वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री मोहम्मद अकबर के मार्गदर्शन में विभाग द्वारा मानव-हाथी द्वंद पर नियंत्रण के लिए जनजागरूकता अभियान लगातार चलाया जा रहा है। इस तारतम्य में प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख व्ही. श्रीनिवास राव के मार्गदर्शन में वन्य प्राणी संरक्षण सप्ताह के अवसर पर कटघोरा वन मंडल अंतर्गत उक्त कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।

इस अवसर पर सांसद श्रीमती महंत ने आस-पास से बड़ी संख्या में आये ग्रामीणों को सम्बोधित करते हुए छत्तीसगढ़ शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि हाथी प्रभावित गांवों के ग्रामीणों की मुश्किलों को दूर करने हर परिस्थिति में छत्तीसगढ़ शासन उनके साथ है। कार्यक्रम को विधायक तथा सदस्य खाद्य आयोग ने भी सम्बोधित किया।

कार्यक्रम में बताया गया कि प्रकृति में हर जीव-जन्तु का साहचर्य जरूरी है। अतएव इनका संरक्षण एवं संवर्धन में हम सबकी सहभागिता हो। इस अवसर पर वन मंडलाधिकारी कटघोरा श्री कुमार निशांत द्वारा गज यात्रा रथ एवं वन्य प्राणी संरक्षण सप्ताह के विषय में विस्तार से जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि गज यात्रा रथ पूरे कटघोरा वन मंडल के हाथी प्रभावित क्षेत्रों में भ्रमण कर ग्रामीणों को चलचित्र, लोक गीत एवं प्रोजेक्टर के माध्यम से हाथियों से बचाव हेतु जागरूक करने का कार्य करेगा। इसमें मुख्य रूप से हाट बाजार तथा स्कूलों में जाकर प्रचार-प्रसार किया जाएगा, ताकि मानव-हाथी द्वंद में कमी लाई जा सके।

हाथी यात्रा रथ के माध्यम से हाथी प्रभावित सभी ग्रामों में जागरूकता लाने वन विभाग द्वारा चलाए जा रहे अभियान की ग्रामीणों ने सराहना की। कार्यक्रम में उप वन मंडलाधिकारी चन्द्रकांत टिकरिया, परिक्षेत्र अधिकारी एटमानगर दशहंस प्रसाद सूर्यवंशी सहित ग्रामीणजन बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

सेक्टर 10 में पहुंची प्रगति यात्रा, बालाजी मंदिर, साहू समाज सिन्हा समाज सहित कई समाज को भी मिली सौगात

भिलाई। भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव लगातार प्रगति यात्रा कर रहे हैं। इस प्रगति यात्रा के दौरान विधायक अपने विधानसभा क्षेत्र के लोगों को रोज लाखों की सौगात दे रहे हैं। हर वार्ड में लाखों का विकास कार्य करवा रहे हैं। इसी कड़ी में विधायक देवेंद्र यादव गत दिनों जब प्रगति यात्रा कर रहे थे। तब कुछ समाज प्रमुखों से भी मिले थे। जिन्होंने अपने समाज के भवन के लिए मांग की थी। विधायक यादव ने समाज प्रमुखो की मांगों को पूरा करते हुए कई सौगात दी है।

विभिन्न विकास कार्यों का हुआ भूमिपूजन

शेड निर्माण कार्य 5 लाख की लागत से तेलूगू रजक समाज सेक्टर-8 भिलाई में किया जाएगा। डोमशेड का निर्माण 5 लाख की लागत से बालाजी मंदिर सेक्टर-05 में किया जाएगा। डोमशेड का निर्माण 10 लाख की लागत से आंध्रा माला समाज सेक्टर-06 में किया जाएगा। डोमशेड का निर्माण 10 लाख की लागत से उत्कल समाज हॉस्पिटल सेक्टर में किया जाएगा।

इसी कड़ी में 1 अक्टूबर को विधायक देवेंद्र यादव की पहल से बालाजी मंदिर, चर्च, साहू समाज, सिन्हा समाज सहित करीब 19 समाज की मांगों को पूरा किए और विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किए। समाज प्रमुखों के हाथों के भूमिपूजन कार्यक्रम को सम्मपन करवाया गया। इस दौरान समाज के सम्मानित नागरिकों ने विधायक देवेंद्र यादव की सराहना करते हुए कहा कि युवा विधायक देवेंद्र यादव काफी उर्जावार है। जो अपनी जिम्मेदारियों को बड़ी इमानदारी और निष्ठा से करते है।

सामाजिक भवन की सौगात हो या शहर के विकास की बात। विधायक देवेंद्र यादव ने पूरी निष्ठा से ?शहरवासियों के लिए काम किया है। इसके लिए हम सभी उनका साधूवाद करते है। विधायक श्री यादव पहले विधायक है, जो नि:स्वार्थ भाव से सभी समाज के लिए काम कर रहे हैं। उनकी विनम्रता और सादगी सब का दिल जीत लेती है।

इनसे मिलकर ऐसा लगता है वे विधायक नहीं हमारा अपना बेटा है। विधायक श्री यादव ने समाज प्रमुख और बड़े बुजुर्गों को प्रमाण किए और कहा कि आप सब का आशीर्वाद और प्रेम ही है जिससे मुझे शक्ति मिलती है। आप सब के आशीर्वाद से ही मैं यहां हूं। आप लोगों को जो प्यार हैं, यही मेरी पूंजी है। हमेंशा यही प्रेम बनाएं रखिएगा । भूमिपूजन कार्यक्रम की कड़ी को आगे बढ़ाते और लोगों को सौगात देते हुए पेवर ब्लाक 5 लाख की लागत से हार्वेस्ट चर्च सेक्टर-6 लगाया जाएगा। साहू मित्र सभा सुपेला में भी भूमिपूजन कार्यक्रम हुआ। विधायक यादव की पहल से डोमशेड 25 लाख से बनाया जाएगा। ऐसी प्रकार लोधी समाज, दुर्गा मंदिर खुर्सीपार में लोकार्पण कार्यक्रम हुआ। जहां भवन 10 लाख की लागत से बनाया गया है। भवन 10 लाख श्री श्री बाल गणपति समाजम ट्रांसपोर्ट नगर रोड न्यू खुर्सीपार का भी लोकार्पण किया गया। पेवर ब्लाक 5 लाख की लागत से लक्ष्मीनारायण स्कूल परिसर वार्ड-44 खुर्सीपार, 10 लाख से महाराष्ट्रीयन तैलीय समाज शांति नगर वार्ड-15, रैह्ली समाज का यूथ कार्यक्रम में इस्पात क्लब सेक्टर-02,शिव शंकर जी गार्डन के पास, दुर्गा मंदिर, वार्ड 46 खुर्सीपार में भूमि पूजन किया गया।

श्रम दान कर विधायक ने कहा शहर की सफाई हम सब की जिम्मेदारी

एम.जी.एम. स्कूल के पास सेक्टर-6 भिलाई में प्रगति यात्रा कार्यक्रम हुआ। जहाँ लोगों से मिले, सभी का बारी बारी से हालचाल जाना। सेक्टर6 के बचे हुए क्षेत्र का निरीक्षण किए इसके बाद विधायक श्री यादव सेक्टर-10, वार्ड-65 भिलाई स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम में शामिल हुए। जहाँ उन्होंने श्रमदान किया। क्षेत्र के लोगों के साथ मिलकर सफाई कार्य किए। करीब 1 घंटे तक विधायक श्री यादव ने श्रम दान किया। इस अवसर पर लोगों से आव्हान करते हुए कहा कि शहर की सफाई की जिम्मेदारी सिर्फ सफाई कर्मचारियों की नहीं है, बल्कि हमारी भी है।

ॐ साई राम
माँ पुस्तक भंडार

होलसेल में कापी-किताब एवं स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65
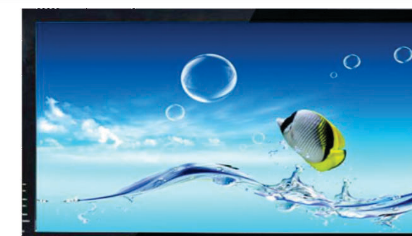
Premier sales 8959493000
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवसः बुजुर्ग समाज के प्रकाश-स्तंभ हैं, उनके अनुभवों के प्रकाश में नयी पीढ़ियां आगे बढ़ती हैं: भूपेश बघेल

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बुजुर्गों का शॉल और श्रीफल देकर किया सम्मान, बुजुर्गों को 825 सहायक उपकरणों का किया गया वितरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर रायपुर के सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इनडोर स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिकों का शॉल और श्रीफल देकर सम्मान किया। मुख्यमंत्री बघेल संवेदनशीलता के साथ मंच से उतरकर स्वयं बुजुर्गों के पास पहुंचे और उन्हें सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों को इलेक्ट्रॉनिक व्हीलचेयर, चश्मा और हियरिंग एड सहित 825 सहायक उपकरण भी प्रदान किए। इस अवसर पर सभी जिलों के लगभग साढ़े छः हजार से अधिक वरिष्ठजन उपस्थित थे।

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस की बधाई देते हुए मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि मानव जीवन की तीन प्रमुख अवस्थाएं हैं- बाल्यावस्था, युवावस्था और वृद्धावस्था। मनुष्य की वृद्धावस्था उसके जीवनभर के ज्ञान और अनुभवों का निचोड़ है, उसकी जीवनभर की तपस्या का संचय है। इसीलिए हमारे बुजुर्ग हमारे समाज के प्रकाश-स्तंभ हैं। उनके अनुभवों के प्रकाश में ही नयी पीढ़ियां आगे बढ़ती हैं। शास्त्रों में कहा गया है कि बुजुर्गों की सेवा करने से आयु, विद्या, यश और बल बढ़ता हैं।

श्री बघेल ने कहा है कि नये दौर के समाज में हमारे पुरातन जीवन-मूल्य बहुत पीछे छूटते जा रहे हैं। बुजुर्गों ने जीवनभर जिन लोगों के लिए मेहनत की, त्याग किया वे उन्हीं के द्वारा उपेक्षित कर दिए जाते हैं। राज्य सरकार द्वारा बुजुर्गों के लिए सियान हेल्प लाइन नम्बर शुरू किया गया है। इस हेल्पलाईन का उपयोग दिव्यांग, विधवा और उभयलिंगी व्यक्ति भी कर सकते हैं। सियान हेल्पलाइन सेंटर और टोल फ्री नंबर के सेटअप की स्थापना के लिए बजट में एक करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। हेल्पलाइन नंबर पर अभी तक 76 हजार से ज्यादा कॉल आ चुके हैं, इनमें से 1493 कॉल बुजुर्गों ने किए हैं। हमें खुशी है कि इस हेल्पलाइन सेंटर के माध्यम से हम बुजुर्गों की मदद कर पा रहे हैं।

श्री बघेल ने कहा कि राज्य सरकार ने निराश्रितों, बुजुर्गों, दिव्यांगों, विधवा तथा परित्यक्ता महिलाओं को सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के अंतर्गत दी जाने वाली मासिक पेंशन की राशि को 350 रुपए से बढ़ाकर 500 रुपए प्रतिमाह कर दिया है। प्रदेश के 13 लाख से ज्यादा बुजुर्गजन मासिक पेंशन योजना का लाभ उठा रहे हैं। इसके अलावा राज्य सरकार बुजुर्गों को 49 हजार आवश्यक सहायक उपकरणों का वितरण भी कर चुकी है। राज्य शासन के कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना शुरू की गई है। इससे उनके बुढ़ापे में सहायता मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने बताया कि बुजुर्गों के स्वास्थ्य की देखभाल के लिए राज्य सरकार द्वारा सियान जतन क्लीनिक का संचालन किया जा रहा है। प्रदेश के आयुर्वेदिक अस्पतालों में भी बुजुर्गों के लिए विशेष ओपीडी और पंचकर्म सेवाएं दी जा रही हैं। राज्य में धन्वंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर्स में 72 प्रतिशत तक कम कीमत पर गुणवत्तापूर्ण दवाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इस योजना का लाभ भी हमारे वरिष्ठ नागरिकों को मिल रहा है।

श्री बघेल ने सभी से अपने परिवार या आसपास बुजुर्गों की समस्याओं को समझने का प्रयास करने की अपील करते हुए कहा कि बुजुर्गों की सेवा के फल से बढ़कर कोई पूजा-आराधना नहीं है। उनका आशीर्वाद ही सबसे बड़ा पुण्यफल है। बुजुर्गों को हमसे उतने ही प्रेम की उम्मीद होती है, जितना प्रेम उन्होंने हमें दिया है।

समाज कल्याण मंत्री अनिला भेंड़िया ने बुजुर्गों को अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल बुजुर्गों, निराश्रितों, दिव्यांगों, किसानों सहित हर वर्ग का ध्यान सुचारू रूप से रख रहे हैं। केंद्र सरकार द्वारा पैसा नहीं देने पर भी राज्य सरकार ने योजनाओं के लिए अग्रिम स्वीकृति दी है, जिससे व्यवस्था सुचारू रूप से चल रही है।

बुजुर्गों का लगाया गया निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

कार्यक्रम में बुजुर्गों को 25 इलेक्ट्रॉनिक व्हीलचेयर, 600 हियरिंग एड और 200 चश्मा सहित 825 सहायक उपकरण प्रदान किए गए। इस अवसर पर दिव्यांग महाविद्यालय रायपुर के बच्चों द्वारा शानदार देश भक्ति गीत प्रस्तुत किया गया। बुजुर्गों का नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। यहां श्रवण और नेत्र जांच कर चश्मा प्रदान किया गया। इसके साथ ही समाज कल्याण विभाग द्वारा बुजुर्गों को योजनाओं की जानकारी देने के लिए स्टॉल लगाया गया। इस अवसर पर संसदीय सचिव रश्मि आशीष सिंह,संसदीय सचिव विकास उपाध्याय, छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा, विधायक सत्य नारायण शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष डोमेश्वरी वर्मा, समाज कल्याण विभाग के सचिव अमृत खलखो सहित बड़ी संख्या में वरिष्ठजन उपस्थित थे।

खास खबर...

राज्य को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के लिए लोगों ने स्वच्छता अभियान में दी भागीदारी

रायपुर। राज्य को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के महासंकल्प के साथ आज पूरे प्रदेश में स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े का आगाज हुआ। प्रदेशभर के 169 शहरों के जनप्रतिनिधियों, प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारियों, सामाजिक संगठनों तथा बड़ी संख्या में आम नागरिकों ने अपने आसपास की सफाई के लिए श्रमदान कर एकजुटता दिखाई। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के आह्वान पर प्रदेशभर के लोग स्वच्छता श्रमदान अभियान से जुड़े और इसे सफल बनाया।

प्रदेश में सभी शहरों में सुबह से ही लोग उत्साह के साथ अपने आसपास के इलाके की साफ-सफाई के लिए जुटे रहे। स्कूली बच्चों ने स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक करने रैली निकाली और स्वच्छता ही सेवा का संदेश भी दिया। सामाजिक संगठनों ने भी शहर को स्वच्छ बनाने के लिए लोगों से प्लास्टिक का उपयोग न करने, कचरा न फैलाने और अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने की अपील की।

महात्मा गांधी के स्वच्छता को लेकर दिखाए मार्ग पर चलते हुए छत्तीसगढ़ को लगातार स्वच्छतम राज्य का पुरस्कार प्राप्त हुआ है, जिससे स्वच्छता का छत्तीसगढ़ मॉडल सफल हो रहा है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का मानना है कि स्वच्छता केवल एक दिन का विषय नहीं है बल्कि यह हमारे जीवन से जुड़ी सबसे प्रमुख जिम्मेदारी है। सामूहिक रूप से यह जिम्मेदारी निभाकर हम महात्मा गांधी के स्वच्छता के संकल्प और उद्देश्य को साकार कर पाएंगे। प्रदेश के राजधानी रायपुर से लेकर बलरामपुर, सुकमा और राजनांदगांव से लेकर महासमुंद तक सभी जिलों में आज स्वच्छता महाभियान उत्साह के साथ मनाया गया। जिला प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारियों ने सुबह से ही अपने वार्डों के सार्वजनिक स्थल, व्यावसायिक परिसर, कार्यालयों, हाट-बाजार, स्कूल-कॉलेज, कृष्ण कुंज सहित सांस्कृतिक और धार्मिक स्थलों पर साफ-सफाई का अभियान चलाया।

गौठानों और रीपा के माध्यम से ग्रामीण रोजगार को मिला बढ़ावा: मुख्यमंत्री भूपेश बघेल

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने ली राज्य स्तरीय दिशा समिति की समीक्षा बैठक

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की अध्यक्षता में रविवार को विकास भवन कार्यालय में राज्य स्तरीय दिशा समिति की बैठक हुई। बैठक में दिशा समिति अंतर्गत सामूहिक कार्यक्रमों एवं योजनाओं की समीक्षा की गई। बैठक में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें साथ ही लक्ष्यों को समय से प्राप्त करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में गौठानों और रीपा के माध्यम से ग्रामीण रोजगार को बढ़ावा मिला है। राज्य सरकार द्वारा स्व-सहायता समूह द्वारा निर्मित उत्पादों की बिक्री के लिए सी-मार्ट की स्थापना की गई है। रोजगार बढ़ाने हेतु स्व-सहायता समूह के सदस्यों को प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है।

राज्य स्तरीय दिशा समिति की समीक्षा बैठक में केन्द्र सरकार के विभिन्न कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की समीक्षा, निगरानी, मूल्यांकन तथा केन्द्र एवं राज्य के मध्य समन्वय बढ़ाने पर चर्चा की गई। बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, कृषि विभाग, आदिम जाति विकास विभाग, समाज कल्याण विभाग, शहरी विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, राजस्व विभाग, ऊर्जा विभाग, उद्योग विभाग, ग्रामोद्योग विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा, खाद्य, स्किल डेव्हलपमेंट, चिप्स, खनिज विभाग, जल संसाधन विभाग एवं लोक निर्माण विभाग के कार्यक्रमों एवं योजनाओं की समीक्षा की गई।

समीक्षा बैठक में मनरेगा अंतर्गत कार्यों की जानकारी देते हुए बताया गया कि सितम्बर 2023 की स्थिति में मनरेगा अंतर्गत 19.92 लाख परिवारों को कार्य मिला है वहीं 01 लाख 36 हजार 838 कार्यों को पूर्ण किया गया है। मनरेगा अंतर्गत विगत पांच वर्षों में 5 हजार 690 नवीन तालाब, 2 हजार 915 अमृत सरोवर का निर्माण किया गया है। आधार बेस्ड भुगतान में राज्य का राष्ट्रीय स्तर पर 7वां स्थान है। प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना - 2 अंतर्गत स्वीकृत सभी कार्य पूर्ण कर लिए गए हैं। प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना-3 अंतर्गत 5612 किलोमीटर लम्बाई की शतप्रतिशत की स्वीकृति में छत्तीसगढ़ राज्य प्रथम है एवं समस्त लम्बाई पूर्ण कर ली गई है। प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के प्रथम चरण में 175 ग्रामों का चयन किया गया है। उक्त चयनित सभी ग्रामों में वांछित संकेतकों को पूर्ण कर आदर्श ग्राम घोषित किया जा चुका है। स्वास्थ्य विभाग की मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लिनिक योजना अंतर्गत विगत वर्षों में 01 करोड़ 37 लाख से अधिक लोगों को नि:शुल्क जांच एवं दवाई वितरित की गई है। मातृ मृत्यु अनुपात 23 प्वाइंट के साथ देश में द्वितीय सर्वाधिक गिरावट दर्ज की गई है।

बैठक में सांसद गुहाराम अजगले, संसदीय सचिव कुंवर सिंह निषाद, अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू, रेणु पिल्ले सहित सभी भारसाधक सचिव उपस्थित रहे।

चिकित्सक का धर्म सर्वप्रथम मरीजों की सेवा करना है: राज्यपाल हरिचंदन

राज्यपाल ने रिम्स में कैथ लैब का किया उद्घाटन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने कहा कि चिकित्सक का धर्म सबसे पहले मरीजों की सेवा करना है। चिकित्सक मरीजों के लिए भगवान की तरह होते हैं। उन्होंने चिकित्सा के विद्यार्थियों से गरीब मरीजों की सेवा करने का आवाहन किया। उक्त उद्गार राज्यपाल ने रायपुर इंस्टीटयूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में कैथ लैब के उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान व्यक्त किये।

श्री हरिचंदन ने कहा कि चिकित्सा के विद्यार्थियों को शिक्षा पूरी करने के बाद समाज और देश की सेवा करना चाहिए। विशेषकर ऐसे मरीजों का इलाज करना चाहिए जो गरीबी के कारण अपना इलाज अन्यत्र नहीं करा पा रहें हैं। उन्होंने कहा कि चिकित्सा का पेशा, श्रेष्ठ पेशों में से एक है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने कोविड-19 का सामना अत्यंत साहस के साथ किया और देश-दुनिया को दिखा दिया कि भारत चुनौतियों से निपटने के लिए पूरी तरह से सक्षम है। डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ ने कोविड-19 के चुनौतीपूर्ण समय में मानवता की सेवा करके एक मिसाल कायम की। आपदा के इस समय के दौरान डॉक्टरों और पैरा मेडिकल स्टॉफ ने हमारे हौसले बुलंद रखे थे। उन्होंने ने कहा कि आपके द्वारा अक्षरशः ली गई सेवा की शपथ का पालन करते हुए, आपने पूरे देश के प्रति कर्तव्य और समर्पण का अर्थ समझाया है। उन्होंने कहा कि अपने जीवन में सफलता हासिल करे और समाज और राष्ट्र की सेवा करें। इस अवसर पर राज्यपाल को संस्थान की ओर से स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।

कार्यक्रम में रिम्स के कार्यकारी निर्देशक डॉ. के. के. वाधवा, डॉ. गम्भीर, डॉ. आदिले, फैकल्टी मेंबर एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ के धार्मिक एवं सांस्कृतिक केन्द्रों में मेगा सफाई अभियान का आयोजन

कौशल्या माता मंदिर, महंत घासीदास संग्रहालय और तक्षक ईको फॉर्म में श्रमदान कर लोगों ने की साफ-सफाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश के महत्वपूर्ण धार्मिक एवं सांस्कृतिक केन्द्रों में स्वच्छता ही सेवा पहल के अंतर्गत मेगा सफाई अभियान आयोजित किया गया। पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार के छत्तीसगढ़ नोडल कार्यालय तथा छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित स्वच्छता अभियान में लोगों ने बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाई। राजधानी रायपुर के कौशल्या माता मंदिर चंदखुरी, गुरू घासीदास संग्रहालय और कबीरधाम जिलों के तक्षक ईकों फार्म में लोगों ने श्रमदान कर परिसर की सफाई की। इस दौरान लोगों ने अपने आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ व सुंदर बनाए रखने व स्वच्छ भारत मिशन का सार्थक प्रचार करने स्वच्छता शपथ ली।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर 1 अक्टूबर को सुबह 10 बजे से व्यापक स्वच्छता अभियान के अंतर्गत माता कौशल्या मंदिर परिसर चंदखुरी में स्थानीय लोगों, स्कूली बच्चों और मंदिर समिति के सदस्यों द्वारा श्रमदान किया गया। इसके साथ ही सिविल लाईन रायपुर स्थित महंत घासीदास संग्रहालय परिसर में छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा मेगा सफाई अभियान चलाया गया। इस मौके पर संग्रहालय परिसर की सफाई की गई।

इस साल स्वच्छता ही सेवा का विषय 'कचरा मुक्त भारत' है, और इस पूरे अभियान का उद्देश्य कूड़े की सफाई, स्वच्छता सुनिश्चित करना और एकल उपयोग प्लास्टिक (एसयूपी) पर प्रतिबंध लगाना तथा पर्यावरण के अनुकूल पदार्थों के उपयोग को बढ़ावा देना है। आज आयोजित कार्यक्रमों में एकल उपयोग प्लास्टिक से निर्मित किसी भी सामग्री का उपयोग नहीं किया गया और कचरे का नगर निगम रायपुर के सहयोग से समुचित निष्पादन कराया गया। इसी प्रकार कबीरधाम जिले में स्थित तक्षक ईको फार्म में कार्यरत कर्मचारियों एवं स्थानीय ग्रामवासियों ने श्रमदान कर सफाई की। कार्यक्रम में ईको फार्म संचालक प्रेरणा सिंह द्वारा सभी को स्वच्छता एवं ट्रैवल फॉर लाइफ शपथ दिलाई गई।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड की उप महाप्रबंधक तरुणा साहू, सीनियर कोऑर्डिनेटर मार्केटिंग एंड प्रमोशन शुभदा चतुर्वेदी, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार, छत्तीसगढ़ नोडल कार्यालय के प्रबंधक मयंक दुबे उपस्थित थे।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

खाली पेट केला खाना चाहिए या नहीं? कहीं आप भी तो नहीं कर रहे हैं ये गलती

केला एक ऐसा फल है जिसके सेवन को लेकर कई तरह के मिथक प्रचलित हैं। बहुत से लोगों का मानना है कि सुबह नाश्ते से पहले खाली पेट केला खाने से कई लाभ मिलते हैं जैसे वजन कम होना, पेट साफ रहना, पाचन अच्छा रहना आदि। लेकिन क्या यह सही है? क्या सच में खाली पेट केला खाना फायदेमंद होता है? या फिर इससे कोई नुकसान भी हो सकता है? आइए जानते हैं केले के सेवन से जुड़े कुछ मिथक और सच्चाई।

खाली पेट केला खाने के नुकसान

केले में कार्बोहाइड्रेट और कैलोरीज की मात्रा अधिक होती है। इसलिए खाली पेट केला खाने से वजन बढ़ सकता है, कम नहीं। केले में काफी मात्रा में कार्बोहाइड्रेट और ऊर्जा पाई जाती है। एक मीडियम साइज का केला लगभग 25-30 ग्राम कार्बोहाइड्रेट और 90-105 कैलोरीज प्रदान करता है।

जानें कैसे खाना चाहिए केला

केले को अकेले ना खाकर हमेशा नाश्ते या दूसरे आहार के साथ खाने की सलाह दी जाती है। ऐसा इसलिए क्योंकि केले में कुछ ऐसे कार्बोहाइड्रेट पाए जाते हैं जो पाचन में गैस और फूलने का कारण बनते हैं। इन कार्बोहाइड्रेट्स को फोडमैप कहा जाता है। ये आंतों में जाकर फर्मेंट होते हैं और गैस उत्पन्न करते हैं। इससे पेट फूलना, दर्द और असहजता महसूस हो सकती है। इसलिए डाइटेशियन यह सलाह देते हैं कि केले को अकेले ना खाकर हमेशा नाश्ते में दूसरे आहार के साथ खाया जाए। ऐसा करने से पाचन में कोई समस्या नहीं होती।

दिन में क्यों खाना चाहिए केला

केले का सेवन दिन के समय करने की सलाह दी जाती है ताकि इसके पोषक तत्व अच्छे से अवशोषित हो सकें। साथ ही दिनभर की एक्टिविटी से केले की कैलोरीज को भी बर्न किया जा सकता है। हर इंसान की पोषण आवश्यकताएं अलग होती हैं, इसलिए अपनी डाइट और दिनचर्या के अनुसार केले का सेवन करना चाहिए। दोपहर के भोजन के बाद या शाम को केला खाना बेहतर होता है क्योंकि इससे शरीर को धीरे-धीरे ऊर्जा मिलती रहती है।

श्वेता तिवारी ने गिराई हुस्न की बिजलियां, ग्लैमरस अंदाज में आई नजर

श्वेता तिवारी ने बेशक अपनी अदाकारी से हमेशा ही दर्शकों का दिल जीता है, लेकिन पिछले कुछ समय से एक्ट्रेस अपने लुक्स के कारण काफी चर्चा में बनी हुई हैं। इन दिनों लगातार श्वेता अपने स्टाइलिश लुक्स दिखा रही हैं। उनकी हर अदा को देखकर ऐसा लगता है कि वह वक्त के साथ और ज्यादा बोल्ड और हॉट होती जा रही है। वहीं, एक्ट्रेस अपनी फिटनेस से भी सभी के होश उड़ा रही हैं। अब फिर से श्वेता का नया स्टाइलिश लुक काफी वायरल हो रहा है।

श्वेता ने कुछ देर पहले ही अपने इंस्टाग्राम पेज पर अपना नया लुक शेयर किया है। लेटेस्ट फोटोशूट के लिए एक्ट्रेस ने ब्राउन शेड की शॉर्ट ड्रेस और मैचिंग का क्रॉप ब्लेजर कैरी किया है। इसके साथ उन्होंने ब्लैक क्रॉप टॉप पहना है और ब्लेजर के बटन खोलकर कैमरे के सामने स्टाइलिश पोज दिए हैं। एक्ट्रेस इस लिक में स्टनिंग दिख रही हैं। उन्होंने हुस्न के जलवे बिखेरते हुए एक से एक पोज दिए हैं।

श्वेता ने अपने स्टाइलिश लुक को सटल बेस, न्यूड लिप्स और न्यूड आई मेकअप से कंप्लीट किया है। इसके साथ उन्होंने बालों को सॉफ्ट कर्ली टच देकर ओपन रखा है। एक्सेसरीज के तौर पर श्वेता ने कानों में छोटे-छोटे ईयररिंग्स पहने हैं। एक्ट्रेस इस लुक में बेहद खूबसूरत और हॉट दिख रही हैं। खासतौर पर उनका कर्वी फिगर फिर सबका ध्यान खींच रहा है।

दूसरी ओर वहीं, श्वेता के वर्क फ्रंट पर नजर डालें तो इन दिनों वह रोहित शेट्टी की वेब सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स को लेकर चर्चा में हैं। इसके अलावा एक्ट्रेस हम तुम एंड दैम टाइटल से बन रही सीरीज में भी नजर आएंगी। फैंस उन्हें फिर नए अंदाज में पर्दे पर देखने के लिए काफी उत्साहित हैं।

प्रेगनेंसी में कितनी बार अल्ट्रासाउंड करवाना जरूरी होता है और कब करवाना चाहिए?

गर्भावस्था एक संवेदनशील अवस्था होती है जिसमें मां और बच्चे का स्वास्थ्य बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है। गर्भावस्था के दौरान अल्ट्रासाउंड टेस्ट मां और बच्चे की स्थिति को ट्रैक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अल्ट्रासाउंड किरणें शरीर के भीतर भेजकर गर्भाशय और गर्भस्थ शिशु की तस्वीरें लेता है। यह गर्भनाल की स्थिति, गर्भस्थ शिशु का विकास, दिल की धड़कन आदि को देखने में मदद करता है। गर्भावस्था में कम से कम 3-4 अल्ट्रासाउंड करवाना जरूरी होता है। लेकिन इससे ज्यादा अल्ट्रासाउंड करवाना ठीक नहीं माना जाता है। बिना वजह बार-बार अल्ट्रासाउंड करवाने से बच्चे को नुकसान हो सकता है। उसकी हड्डियों और दिमाग पर असर पड़ सकता है। जानें कब करवाना चाहिए।

पहला अल्ट्रासाउंड:- गर्भावस्था के दौरान करवाया जाने वाला पहला अल्ट्रासाउंड बेहद महत्वपूर्ण होता है। आमतौर पर डॉक्टर गर्भाधान के 6 से 8 हफ्ते बाद पहला अल्ट्रासाउंड करवाने की सलाह देते हैं। इस अल्ट्रासाउंड का मुख्य उद्देश्य गर्भ नलिका और गर्भस्थ शिशु की स्थिति की जांच करना होता है। यह जांच करता है कि गर्भ नलिका सही जगह पर है या नहीं, गर्भस्थ शिशु का विकास सही हो रहा है या नहीं, गर्भस्थ शिशु की धड़कन सामान्य है या नहीं आदि। यदि कोई समस्या हो तो इस अल्ट्रासाउंड से पहले ही पता लगाकर उचित इलाज किया जा सकता है। इसलिए गर्भावस्था के पहले तिमाही में अल्ट्रासाउंड करवाना बेहद ज़रूरी होता है।

दूसरा अल्ट्रासाउंड:- गर्भावस्था के 18 से 20 हफ्ते के बीच दूसरा अल्ट्रासाउंड करवाना बहुत जरूरी होता है। इस अवधि में गर्भस्थ शिशु का शारीरिक विकास तेजी से होता है और अंग-प्रत्यंग स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगते हैं। दूसरे अल्ट्रासाउंड से गर्भस्थ शिशु के मुख्य अंगों जैसे दिल, दिमाग, किडनी आदि की जांच की जाती है। इससे एनेटल एनोमली यानि जन्मजात विकारों का भी पता लगाया जा सकता है।

तीसरा अल्ट्रासाउंड:- गर्भावस्था के 28 से 32 हफ्ते के बीच तीसरा अल्ट्रासाउंड बहुत जरूरी हो जाता है। यह गर्भावस्था का तीसरा त्रैमास होता है जब गर्भस्थ शिशु का विकास तेजी से होने लगता है। तीसरे अल्ट्रासाउंड से गर्भस्थ शिशु के शारीरिक विकास और वजन की निगरानी की जा सकती है। यह जांचा जाता है कि शिशु का वजन उम्र के हिसाब से सही है या नहीं। शिशु के मुख्य अंगों जैसे दिमाग, हृदय, किडनी आदि का विकास सही दिशा में हो रहा है या नहीं।

चौथा अल्ट्रासाउंड:- गर्भावस्था के 34 से 36 हफ्ते के दौरान चौथा अल्ट्रासाउंड किया जाता है। यह गर्भावस्था का अंतिम चरण होता है जब डिलीवरी का समय नजदीक आ जाता है। चौथे अल्ट्रासाउंड से गर्भस्थ शिशु की स्थिति और प्लेसेंटा की स्थिति की जांच की जाती है। यह देखा जाता है कि बच्चा सही स्थिति में है या नहीं। प्लेसेंटा किस स्थिति में है और पर्याप्त रक्त संचार हो रहा है या नहीं। इससे डिलीवरी से पहले किसी भी जटिलता का पता लगाकर उसका समय रहते इलाज किया जा सकता है। इस प्रकार अंतिम अल्ट्रासाउंड बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

खतरों के खिलाड़ी में मिला शेर खान का टैग मेरे लिए गेम चेंजर हुआ साबित: हिना खान

खतरों के खिलाड़ी सीजन 8 की फाइनलिस्ट शेर खान के नाम से मशहूर एक्ट्रेस हिना खान ने अपने इस टैग के बारे में खुलकर कहा कि यह कितना अच्छा था और इसने वास्तव में उनकी दुनिया बदल दी। हिना ने खतरों के खिलाड़ी सीजन 13 में चैलेंजर के तौर पर वापसी की है। स्टंट-बेस्ड रियलिटी शो हर गुजरते हफ्ते के साथ डर को एक नए लेवल पर बढ़ा रहा है।

एक्शन मास्टर और शो के होस्ट रोहित शेट्टी, दक्षिण अफ्रीका के केप टाउन के जंगल में पहले कभी नहीं देखे गए स्टंट और कंस्टेंट्स के साथ मौजूद हैं। चैलेंजर हिना ने शो में वापसी पर अपना एक्सपीरियंस शेयर किया।

खतरों के खिलाड़ी 8 में फाइनलिस्ट बनने के बाद से वह एक व्यक्ति के रूप में कैसे विकसित हुई हैं, इस पर एक्ट्रेस ने कहा: मैं हर मायने में ज्यादा साहसी हो गयी हूं, न केवल फिजिकल ट्रायल का सामना करने में बल्कि जीवन की अप्रत्याशितता को अपनाने में भी। मैंने वास्तविक दुनिया और रील दोनों में नई चुनौतियों का खुली बांहों से स्वागत करना सीख लिया है।

हिना ने कहा, निडरता की इस नई भावना ने अवसरों और रोमांच की एक ऐसी दुनिया खोल दी है जिसे तलाशने में मुझे कभी झिझक होती थी। किसी भी चीज से ज्यादा, यह यात्रा खुद को आगे बढ़ाने की है। यह शो जीवन बदलने वाला अनुभव था जिसने मुझे अंदर से बाहर तक बदल दिया। यह सीमाओं को पार करने, डर का डटकर सामना करने और दूसरी तरफ एक मजबूत, अधिक आत्मविश्वासी और अधिक दृढ़ व्यक्ति के रूप में उभरने का बेहतरीन जरिया है।

साउथ में डेब्यू के लिए तैयार हैं रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी राम चरण के साथ करेंगी रोमांस

बॉलीवुड एक्ट्रेस रवीना टंडन और अनिल थंडानी की बेटी राशा थंडानी जल्द ही फिल्मों में कदम रखेंगी। रवीना ने जिस तरह लाखों फैंस के दिलों पर राज किया है, राशा से भी फैंस को वहीं उम्मीदें हैं। सोशल मीडिया पर यूं भी राशा अपनी खूबसूरती और ग्लैमर के लिए छाई रहती हैं। अक्सर उन्हें पैपराजी द्वारा स्पॉट किया जाता है। फैशन और स्टाइल से राशा ने पहले ही लोगों का दिल जीत लिया है। अब वो बड़े पर्दे पर अपने अभिनय का जलवा दिखाएंगी। खबर है कि स्टार किड राशा साउथ इंडस्ट्री से फिल्मों में ग्रैंड एंट्री मारेंगी। साथ ही उन्हें एक बड़े सुपरस्टार के साथ भी काम करने का मौका मिलने जा रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक, राशा एक तेलुगु फिल्म में लीड हीरोइन बनने जा रही हैं। फिलहाल इस प्रोजोकेट पर अभी बातचीत चल रही हैं। फिल्म की खास बात ये है कि इसमें साउथ सुपरस्टार राम चरण लीड हीरो हैं। राशा और रामचरण की जोड़ी बन सकती है। दूसरी ओर हम ये भी कह सकते हैं कि राशा खुद से करीब 20 साल बड़े एक्टर संग रोमांस करते दिखेंगी, 38 वर्षीय स्टार राम चरण जल्द एक हाई लेवल प्रोजेक्ट शुरू करने जा रहे हैं।

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि संबंधित फिल्म के निर्माताओं को पूरा भरोसा है कि राशा इस भूमिका में फिट बैठती हैं, और जल्द ही एक्ट्रेस इस फिल्म को साइन कर सकती हैं। हालांकि, इस मामले पर रवीना टंडन, राशा या राम चरण की आधिकारिक टिप्पणी का इंतजार है। रवीना टंडन ने पहले बताया था कि वो चाहती हैं राशा बॉलीवुड में कदम रखने से पहले अपनी पढ़ाई पूरी कर लें। भले ही वह बॉलीवुड में अपना नाम कमाएं या नहीं, लेकिन उन्हें इतन एजुकेटेड होना चाहिए कि वो अपने पैरों पर खड़ी हो सकें। इससे पहले अटकलें आई थीं कि राशा अजय देवगन के भतीजे अमान देवगन के साथ बॉलीवुड में डेब्यू करेंगी। कहा जा रहा है कि अभिषेक कपूर की एक्शन-एडवेंचर फिल्म में इन दो नए चेहरों की जोड़ी बनेगी। अब देखना है कि आखिर राशा किस तरह फैंस का मनोरंजन करने पर्दे पर आएंगी।

एक्शन-थ्रिलर फिल्म घोस्ट का ट्रेलर आउट, शिव राजकुमार बने गैंगस्टर

कन्नड़ सुपरस्टार शिव कुमार की मोस्ट अवेटेड एक्शन थ्रिलर फिल्म घोस्ट का ट्रेलर हिंदी में आउट हो गया है। ट्रेलर ने रिलीज के साथ ही फैंस को फिल्म के लिए एक्साइट कर दिया है। फिल्म इसी साल 19 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी। शिव कुमार के साथ घोस्ट में दिग्गज एक्टर अनुपम खेर भी अहम किरदार अदा करते दिखाई देने वाले हैं।

एक्शन पैक्ड फिल्म घोस्ट के ट्रेलर ने फिल्म को लेकर दर्शकों की एक्साइटमेंट बढ़ा दी है। फिल्म में लीड रोल निभाने वाले शिवकुमार एक गैंगस्टर के किरदार में दिखाई देने वाले हैं जो जेल पर कब्जा करने वाले हैं। वहीं अनुपम खेर का किरदार भी बेहद खास होने वाला है। शिव राजकुमार की पैन इंडिया फिल्म घोस्ट सैंडलवुड की अगली बड़ी फिल्म है। फिल्म को ब्लॉकबस्टर हिट बीरबल फेम श्रीनी ने डायरेक्ट किया है।

सीरत कपूर ने आओ ना से सिंगर के रूप में किया डेब्यू

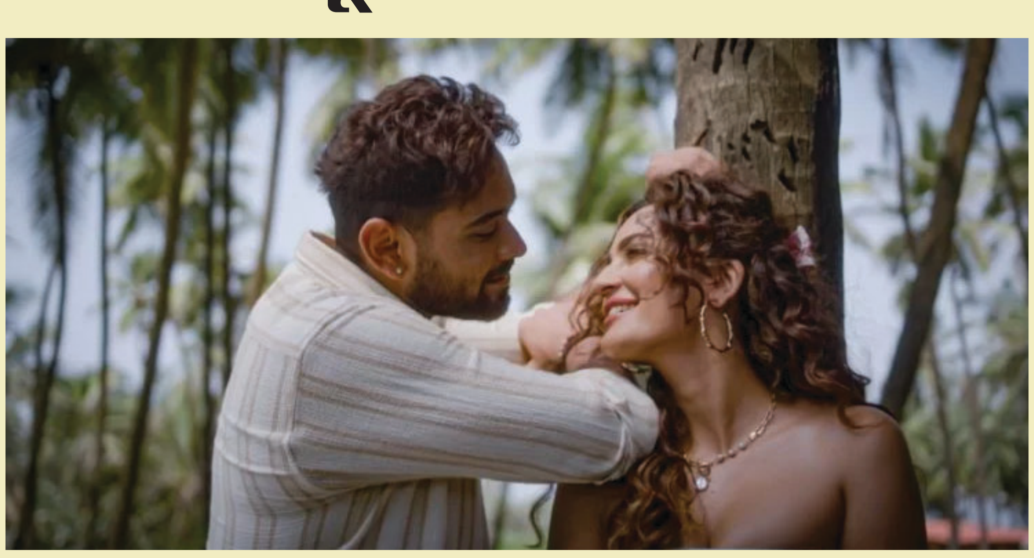

तेलुगू सिनेमा में अपने काम के लिए मशहूर एक्ट्रेस सीरत कपूर ने आओ ना गाने से अपने सिंगिंग की शुरुआत की है, गाने में अमन प्रीत सिंह भी हैं जो एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह के भाई हैं। रोमांटिक टाइटल ट्रैक दिल छू लेने वाला गाना है। इसमें सीरत कपूर और अमन प्रीत के बीच शानदार केमिस्ट्री दिखाई गई है। गाने के म्यूजिक वीडियो में अमन प्रीत फोटोग्राफर के रोल में हैं और सीरत कपूर एक सुपर मॉडल हैं।

अमन सीरत की सुंदरता की ओर खींचे चले जाते हैं और प्यार में पड़ जाते हैं। वह सीरत को अपनी गर्लफ्रेंड के रूप में कल्पना करते हैं और उसके साथ बेहतरीन समय बिताते हैं। लेकिन, बाद में उन्हें एहसास होता है कि यह सिर्फ एक सपना है। एक सिंगर के रूप में अपनी शुरुआत के बारे में बात करते हुए, सीरत ने कहा, एक सिंगर के रूप में और एक ही प्रोजेक्ट में अभिनेता के रूप में डेब्यू करना हमेशा से मेरा सपना रहा है और मैं रोमांचित हूं कि यूनिवर्स ने आओ ना के साथ इसकी तैयारी की। यह गाना मेरे लिए अविश्वसनीय रूप से खास है। मुझे उम्मीद है कि यह गाना दर्शकों को पसंद आएगा और अमिट छाप छोड़ेगा। यह गाना जेजस्ट म्यूजिक के लेबल के तहत जारी किया गया है और उनके यूट्यूब चैनल पर स्ट्रीम के लिए उपलब्ध है।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135, NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

छत्तीसगढ़ में गांव, शहर और बाजार हुए गुलजार मोटरयानों के पंजीयन में 38 प्रतिशत की वृद्धि

राज्य में नवरात्र तथा दशहरा-दिवाली के पहले से ही वाहनों की बम्पर खरीदी की शुरूआत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप परिवहन मंत्री मोहम्मद अकबर के मार्गदर्शन में प्रदेश में परिवहन विभाग द्वारा सुगम यातायात व्यवस्था सहित जनसुविधा को ध्यान में रखते हुए निरंतर नवाचारी पहल जारी है। गौरतलब है कि समाज के वंचित वर्ग के कल्याण और लोगों के उत्थान के लिए राज्य सरकार ने छत्तीसगढ़ में विभिन्न न्याय योजनाओं का कुशलतापूर्वक संचालन किया। इन न्याय योजनाओं के फलस्वरूप राज्य में पांच सालों में दो लाख करोड़ रूपए से अधिक की राशि लोगों के बैंक खातों में सीधे अंतरित की गई।

यही वजह है कि आज राज्य के गांव, शहर और बाजार सभी जगह व्यापार-व्यवसाय से गुलजार हो गए हैं और नवरात्र तथा दशहरा-दिवाली के पहले से ही यहां वाहनों के बम्पर खरीदी की शुरूआत हो चुकी है।

इस तारतम्य में वाहनों की खरीद-बिक्री सुविधाजनक होने के फ्लस्वरूप प्रदेश में लगातार मोटरयानों के पंजीयन की संख्या बढ़ती जा रही है। प्रदेश में सितम्बर 2022 में 30,597 मोटरयानों का पंजीयन हुआ था, वहीं सितम्बर 2023 में 42,186 मोटरयानों का पंजीयन हो चुका है। इस तरह माह सितम्बर 2022 की तुलना में माह सितम्बर 2023 में मोटरयानों के पंजीयन में लगभग 37.88 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

आयुक्त परिवहन दीपांशु काबरा से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेशभर में सितम्बर 2022 से सितम्बर 2023 तक रायपुर क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय अंतर्गत सबसे ज्यादा 8,645 मोटरयानों का पंजीयन हुआ। इनमें सरगुजा क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय अंतर्गत 2,128, बिलासपुर क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय अंतर्गत 3,187, दुर्ग क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय अंतर्गत 3,589, जगदलपुर क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय अंतर्गत 1,215 मोटरयानों का पंजीयन हुआ है।

इसी तरह जिला परिवहन कार्यालय अंतर्गत बैकुंठपुर में 1,049, बालोद में 688, बलोदाबाजार-भाटापारा में 1,391, बलरामपुर में 655, बेमेतरा में 574, बीजापुर में 337, दंतेवाड़ा में 424, धमतरी में 1,035, गरियाबंद में 581, गौरेला-पेंड्रा-मारवाही में 366, जांजगीर-चांपा में 2,009, जशपुर में 1017, कांकेर में 1,029, कवर्धा में 913, कोंडागांव में 792, कोरबा में 2,469, महासमुंद में 1,385, मुंगेली में 685, नारायणपुर में 250, राजनांदगांव में 1,912, सुकमा में 267, सूरजपुर में 829 और रायगढ़ में 2,765 मोटरयानों का पंजीयन हुआ है। इन वाहनों में ट्रैक्टर, एम्बुलेंस, बस, ई-रिक्शा, माल वाहक, हारवेस्टर, टैक्सी (कैब), मोटरसाइकिल, भारी वाहन आदि मोटरयान शामिल हैं।

विधायक ने सड़क पर झाड़ू लगाई, महापौर और आयुक्त ने उठाया कचरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। स्वच्छता पखवाडा स्वच्छता ही सेवा 2023 अभियान अंतर्गत शहरी कार्य मंत्रालय भारत सरकार के आदेशानुसार आज नगर पालिक निगम द्वारा स्वच्छता ही सेवा एक तारीख एक घंटा एक साथ स्वच्छता अभियान चलाया गया।स्वच्छता है सेवा एक साथ श्रमदान गतिविधि का आयोजन निगम द्वारा किया गया।

आज सुबह विधायक अरुण वोरा,महापौर धीरज बाकलीवाल,आयुक्त लोकेश चन्द्राकर एवं स्वास्थ्य विभाग प्रभारी हमीद खोखर द्वारा ब्रांड एम्बेसडर,सहायता समूह, आंगनबाड़ी, अधिकारी/कर्मचारियो के अलावा विज्ञान विकास छात्रावास के तीन सौ छात्राओं और नागरिको ने इस कार्यक्रम में शामिल हुए।स्वच्छता ही सेवा के अंतर्गत विधायक अरुण वोरा,महापौर धीरज बाकलीवाल एवं आयुक्त लोकेश चन्द्राकर, एसडीएम मुकेश रावटे,प्रभारी हमीद खोखर, एमआईसी भोला महोबिया,अल्ताफ अहमद

स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली,ने सड़क पर झाड़ू लगाई। आम नागरिकों के साथ विज्ञान विकास केंद्र की छात्राओं ने भी मिलकर एक तारिक एक घंटा एक साथ श्रम दान कार्यक्रम में बड़ चढ़ कर हिस्सा लिया।कार्यक्रम की शुरुआत नाना नानी दादा दादी पार्क एवं लोक कला मार्ग में श्रमदान करते हुए राजेंद्र पार्क चौक में श्रद्धेय मोतीलाल वोरा जी की प्रतिमा को स्वच्छ कर श्रद्धांजलि अर्पित की एवं मुख्य मार्ग पर विधायक,महापौर ने सभी के साथ मिलकर झाड़ू लगाकर,महापौर धीरज बाकलीवाल ने कचरा को उठाकर डस्टबिन में डाला और सभी ने अभियान की सफलता जताई।

इसके अलावा सभी पार्षदो ने अपने अपने वार्डो के प्रमुख मार्गो पर सफाई अभियान चलाकर स्वच्छता का संदेश दिया।तत्पश्चात अंत में राजेंद्र पार्क चौक से गांधी चौक तक स्वच्छता ही सेवा रैली निकाली गई और गांधी चौक में गांधी जी की प्रतिमा को स्वच्छ करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। शहर के स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर डॉक्टर विश्वनाथ पाणिग्रही द्वारा स्वच्छता के नारे लगाते हुए स्वच्छता हेतु जागरूकता का संदेश दिया।विज्ञान विकास केंद्र की प्रशासनिक अधिकारी श्रीमती उर्मिला ओझा साथ ही केंद्र की सभी छात्राओं का सहयोग मिला, मुस्कान फाउंडेशन के द्वारा भी इस कार्यक्रम में योगदान दिया गया।

स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा अभियान मनाने को लेकर एक अक्तूबर को सुबह दस बजे एक साथ एक घंटे स्वच्छता के लिए श्रमदान हेतु स्वच्छता ही सेवा अभियान की शुरुआत की।

खास खबर

मतदाता सूची के प्रकाशन के संबंध में सभी आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करें - कलेक्टर

राजनांदगांव। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डोमन सिंह ने मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन की तैयारी सहित निर्वाचन के कार्यों के संबंध में कलेक्टोरेट शक्तिकक्ष में बैठक ली। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 4 अक्टूबर 2023 को किया जाएगा। इसकी पूरी तैयारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने मतदाता सूची की छपाई सावधानी पूर्वक करने के निर्देश सभी रिटर्निंग अधिकारियों को दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने मतदान केन्द्रों में सारी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मतदान केन्द्रों में रैम्प सहित अन्य आवश्यक व्यवस्था अनिवार्य रूप से करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि स्ट्रॉग रूम के लिए सभी एसडीएम पूरी तैयारी रखें। स्ट्रांग रूम में फायर फायटर और डबल लॉक की सुविधा रखने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी एसडीएम को हेलीपेड एवं सभा के लिए स्थान चिन्हांकित कर सभी व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्वाचन कार्य में लगी सभी टीमों के लिए बैठक व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक उपकरण की व्यवस्था सुनिश्चित करने कहा। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि 3 सितम्बर को एफएसटी, वीवीटी, वीएसटी, मीडिया सेंटर सहित अन्य टीम द्वारा किए जा रहे कार्यों का रिहर्सल किया जाएगा। सभी नोडल अधिकारियों को इसकी पूरी तैयारी करने के निर्देश दिए। सभी एसडीएम को कंट्रोल रूम में तीन शिफ्ट में ड्यूटी लगाने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि 4 सितम्बर को सभी चेकपोस्ट में एसएसटी की टीम द्वारा किए जा रहे कार्यों का रिहर्सल किया जाएगा। उन्होंने 80 वर्ष से अधिक बुजुर्ग एवं दिव्यांगजनों के होम वोटिंग के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए।

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर वृद्धजनों का किया गया सम्मान

मोहला। मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के मोहला जनपद कार्यालय के सभागार में आज अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वृद्धजनों को संसदीय सचिव श्री इंद्र शाह मंडावी ने शाल श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने संबोधित करते हुए कहा कि बड़े बुजुर्गों और वृद्धजनों के आशीर्वाद से जीवन में हर प्रकार की सुख, शांति और समृद्धि मिलती है। उन्होंने कहा कि बुजुर्गों के आशीर्वाद से ही जीवन में एक दिशा निर्धारित होता है। उन्होंने कहा कि वृद्धजनों के आशीर्वाद से हम जीवन के किसी भी कठिनाइयों से उबरते हैं और हमें अपने जीवन को सुखमय बनाने में मदद मिलता है। उन्होंने कहा कि हमें हमेशा बड़े बुजुर्गों का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सही मायने में वृद्धजनों का सेवा ही देव सेवा है। संसदीय सचिव ने कहा कि बड़े बुजुर्गों को जीवन का तजुर्बा होता है, वह हमेशा परिवार को एक सूत्र में बांधे रखना और परिवार में प्यार, स्नेह को संजोए रखने में मदद करते हैं। उन्होंने कहा कि बड़े बुजुर्गों के बिना घर संसार अधूरा है। बड़े बुजुर्ग परिवार की मजबूत नींव होते हैं।

स्थानीय भाषा में तकनीकी प्रौद्योगिकी के उपयोग को देश-विदेश के शिक्षाविदों एवं स्कॉलरों ने सराहा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नई दिल्ली में भाषा उत्सव एवं भाषा प्रौद्योगिकी समागम में छत्तीसगढ़ का लगा स्टॉलनई दिल्ली में भाषा उत्सव एवं भाषा प्रौद्योगिकी समागम में छत्तीसगढ़ का लगा स्टॉलनई दिल्ली में भाषा उत्सव एवं भाषा प्रौद्योगिकी समागम में छत्तीसगढ़ का लगा स्टॉल

नई दिल्ली के डॉ. भीमराव अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर जनपथ नई दिल्ली में 30 सितम्बर और 01 अक्टूबर को दो दिवसीय भारतीय भाषा उत्सव एवं भारतीय भाषा प्रौद्योगिकी समापन का आयोजन किया गया। भारत सरकार शिक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में सिर्फछत्तीसगढ़ और असम राज्य के भाषा शिक्षण स्टाल को आमंत्रित किया गया है। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में प्रारंभिक कक्षाओं में स्थानीय भाषा में तकनीकी प्रौद्योगिकी पर शिक्षकों द्वारा किये जा रहे कार्य पर लगे स्टॉल की सराहना देश-विदेश से आये शिक्षाविदों एवं भाषा शिक्षण के स्कॉलरों ने की है।

केन्द्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान ने 30 सितम्बर और केन्द्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री श्री जितेन्द्र सिंह ने 01 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ के स्टॉल का निरीक्षण किया। छत्तीसगढ़ के स्टॉल में समग्र शिक्षा समूह की ओर से भाषा सीखने में टेक्नोलॉजी के उपयोग को बेहतरीन तरीके से समझाया गया है। इस टेक्नोलॉजी से बच्चों में नवाचारों को लाने की उपयोगिता को भी बखूबी से दर्शाया और व्याख्यान करके समझाया गया। शैक्षणिक परिवेश में छत्तीसगढ़ के नवाचार बहुत उपयोगी हैं।

उल्लेखनीय है कि इस आयोजन में पूरे देश भर से सिर्फछत्तीसगढ़ व असम को इस कार्यक्रम में स्टाल के लिए स्थान मिला। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की पहल पर राज्य में स्कूली बच्चों को शिक्षा दिए जाने के लिए स्थानीय भाषा-बोली में पाठ्यक्रम तैयार कर पुस्तकें प्रकाशित की है और इसके माध्यम से शिक्षा दी जा रही है। इसका मूल उद्देश्य स्थानीय भाषा को बढ़ावा देने के साथ-साथ बच्चों में शिक्षा के प्रति रूचि एवं उनके ज्ञान के स्तर को बेहतर बनाना है। स्थानीय भाषा पर आधुनिक तकनीक प्रौद्योगिकी का उपयोग करते किये जा रहे कार्यो की अब देश विदेश में प्रशंसा होने लगी है। कार्यक्रम स्थल पर भारतीय भाषा के विकास व उसके संवर्धन के लिए कार्य करने वाली देश की महत्वपूर्ण नामी संस्थाओं जैसे मिनिस्ट्री ऑफ एजुकेशन भारत सरकार के अधीन अनुवादिनी, आईसेक्ट भारतीय भाषा पुस्तकें, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यायल, भारतीय भाषा संस्थान, केंद्रीय शास्त्रीय तमिल संस्थान, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद द्वारा स्टाल लगाया गया है।

राज्य परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा छत्तीसगढ़ के द्वारा प्रदेश के विभिन्न जिलों में स्थानीय भाषा में तकनीक प्रौद्योगिकी उपयोग करते हुए शिक्षण करने वाले शिक्षक महेंद्र राम मंडावी बस्तर, नित्यानन्द यादव जशपुर, श्रीमती योगेश्वरी साहू बलौदाबाजार, राजमोहन श्रीवास्तव रायपुर, सावित्री साहू बेमेतरा को चयनित किया गया है। इनके द्वारा नई दिल्ली में छत्तीसगढ़ की विलुप्त होती स्थानीय भाषा को संरक्षित करने के लिए शिक्षण में तकनीकी प्रौद्योगिकी उपयोग के साथ-साथ छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक की प्रस्तुति दी गई।

छत्तीसगढ़ में महिला सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता: भूपेश बघेल

प्रभावी कानून व्यवस्था से छत्तीसगढ़ बना शांति का गढ़

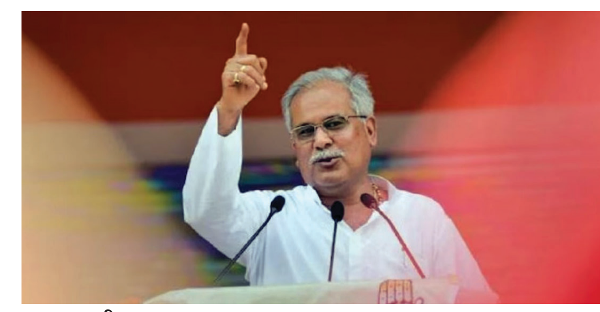

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ के ध्येय के साथ काम करते हुए राज्य में न्याय, विश्वास व सुरक्षा के मूल मंत्र पर आगे बढ़ते हुए पिछले पांच वर्षों में जीरो टालरेंस की नीति अपनायी है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देशन में राज्य की बेसिक पुलिसिंग ने जनता का भरोसा जीता है और जीरो टालरेंस से राज्य में अपराधों पर अंकुश भी लगा है।

महिला सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता

छत्तीसगढ़ में 2015 से 2018 की तुलना में 2019 से अब तक महिला अपराधों में 40 फीसदी की कमी आयी है। महिला सुरक्षा पर विशेष ध्यान देते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने हाल ही में एक बड़ी घोषणा की है जिसमें महिलाओं से दुष्कर्म के आरोपियों को शासकीय नौकरी देने पर रोक लगा दी गयी है। महिला अपराध पर अंकुश लगाने के लिए राज्य के 4 जिलों में अलग से महिला थाना की स्थापना की गयी है। जबकि 455 पुलिस थानों और चौकियों में महिला सेल का संचालन किया जा रहा है।

नक्सल वारदातों में कमी

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की अगुवाई में छत्तीसगढ़ पुलिस को विशेष संबल मिला है इसी का नतीजा है कि वर्ष 2018 से लेकर वर्ष 2022 तक नक्सल वारदातों में 52 फीसदी की कमी आई है। नक्सल क्षेत्रों में सबसे बड़ी समस्या शिक्षा की थी। नक्सलियों के द्वारा स्कूलों को निशाना बनाया गया था। नक्सली हिंसा के कारण डेढ़ दशक से बंद पड़े 314 स्कूलों का मुख्यमंत्री की दृढ़ इच्छाशक्ति से फिर से संचालन शुरू किया गया है। इसके साथ ही 589 गांव भी नक्सल मुक्त हो चुके है और 5.74 लाख से अधिक लोग हिंसा और दहशत से मुक्त हुए हैं।

आनलाइन जुआ पर नकेल, चिटफंट का पैसा लौटाने वाला देश का एकमात्र राज्य

छत्तीसगढ़ में जुआ सट्टा के प्रभाव को रोकने के लिए राज्य में जुआ प्रतिषेध अधिनियम में कड़े प्रावधानों को शामिल किया गया जिसमे आनलाइन जुआ के लिए भी सजा का प्रावधान है। छत्तीसगढ़ पुलिस नशीले पदार्थों को लेकर विशेष अभियान चला रही है जिससे नशीले पदार्थों की तस्करी पर प्रभावी नियंत्रण लगाया जा सका है। छत्तीसगढ़ देश का एकमात्र राज्य है जो चिटफंड कंपनियों के झांसे में आकर अपनी गाढ़ी कमाई गंवाने वालों का पैसा लौटा कर उनके साथ न्याय कर रहा है।

चिरई संरक्षण मैराथन: पक्षियों के संरक्षण-संवर्धन हेतु जनजागरूकता लाने प्रचार-प्रसार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान द्वारा वन्यप्राणी संरक्षण सप्ताह के उपलक्ष्य में 01 अक्टूबर 2023 को तीरथगढ़ में 'चिरई संरक्षण मैराथन' का आयोजन किया गया। यहां उत्साहपूर्ण माहौल में आयोजित 10 किलोमीटर मैराथन में पक्षियों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु स्थानीय जन-जीवन में जागरूकता लाने व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया।

छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल तीरथगढ़ में आयोजित चिरई संरक्षण मैराथन में 350 से अधिक पुरूष एवं महिला प्रतिभागी शामिल हुए। प्रतियोगिता में पुरूष वर्ग में प्रथम - ईश्वर सिंग प्रसाद, निवासी-जिला बलौदाबाजार, द्वितीय - भोजराज साहू, निवासी-जिला बलौदाबाजार तृतीय-कलजुग, निवासी-जिला बस्तर विजेता रहे एवं महिला वर्ग में प्रथम - कु. कमली पोयाम, निवासी-पखनार,जिला बस्तर, द्वितीय - प्रमिला मण्डावी, निवासी -जिला बस्तर तृतीय - ममता कश्यप, निवासी-जिला बस्तर रहे। वन्य एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री मोहम्मद अकबर के दिशा-निर्देश तथा प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख व्ही. श्रीनिवास राव और प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य प्राणी) सुधीर अग्रवाल के मार्गदर्शन में उक्त प्रतियोगिता का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वनसंरक्षक (वन्यप्राणी) एवं क्षेत्रीय निदेशक इन्द्रावती टायगर रिजर्व राजेश पाण्डेय, सेवानिवृत्त, मुख्य वनसंरक्षक, जगदलपुर वृत्त मोहम्मद शाहिद, निदेशक, कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान जगदलपुर धम्मशील तथा सरपंच तीरथगढ़ मुख्य अथिति के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान के समस्त क्षेत्रीय कर्मचारी, तीरथगढ़ इको विकास समिती के सदस्य, मैना मित्र, युवोदय वन मितान उपस्थित थे।

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

कोयला व्यवसाय में अधिक मुनाफे का झांसा देकर ठगे 46 करोड़ रुपये, पुलिस ने आरोपी को यूपी से किया गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

अंबिकापुर। कोयला व्यवसाय में अधिक मुनाफा का झांसा देकर 46 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी करने वाले आरोपी को सरगुजा पुलिस ने यूपी के सोनभद्र से पड़कर सरगुजा लाकर पूछताछ के बाद कर जेल भेज दिया है। आरोपी ने उड़ीसा के राउरकेला स्थित उदित नगर के गणेश रोलिंग मिल्स प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर पंकज अग्रवाल को निशाना बनाया था। डायरेक्टर पंकज अग्रवाल (32) पुत्र लक्ष्मीचंद्र अग्रवाल निवासी मेरिडियन टावर नारायणी कंपलेक्स ने बीते 16 मई को अंबिकापुर पहुंचकर कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। तहरीर के आधाप पर पुलिस मामले की जांच कर रही थी।

पुलिस को दी शिकायत में पंकज अग्रवाल ने बताया था कि दो वर्ष पहले कोयला सप्लाई के दरमियान राहुल अग्रवाल से जान-पहचान हुई थी, जिसमें उसके द्वारा मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले में स्थित कोयला खदानों से ऑक्शन कोयला को खरीद कर मार्केट में बेचे जाने पर अधिक मुनाफा होने का झांसा दिया था। इसके बाद उसके द्वारा राहुल अग्रवाल के साथ पार्टनरशिप में कोयला व छड़ व्यवसाय में काम करना शुरू किया गया था। जिसमें बीते 15 अक्टूबर 2020 से 4 अप्रैल 2022 के बीच राहुल अग्रवाल समेत अन्य व्यक्तियों के द्वारा अलग-अलग किस्तों में कल 46 करोड रुपये धोखाधड़ी कर लिया गया। इसकी शिकायत पर

कोतवाली पुलिस ने अपराध क्रमांक 302/23 धारा 420, 419, 34 आईपीसी के तहत मामला पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू कर दी।

कोतवाली पुलिस ने पुलिस महानिदेशक सरगुजा रेंज अंकित गर्ग के मार्गदर्शन एवं पुलिस अधीक्षक सुनील शर्मा के निर्देश पर मामले को गंभीरता लेते हुए आरोपी के संबंध में तकनीकी जानकारी प्राप्त कर आरोपी की खोजबीन करने उत्तर प्रदेश के सोनभद्र पहुंची, जहां पुलिस टीम ने उत्तर प्रदेश पुलिस की सहयोग से आरोपी को घेराबंदी कर गिरफ्तार कर सघनता से पूछताछ की तो आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर धोखाधड़ी को स्वीकार किया और साथ ही आरोपी के पास से गणेश रोलिंग मिल्स से संबंधित लेनदेन के दस्तावेज पाए गए। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर सरगुजा स्थित अंबिकापुर लेआई और न्यायिक अभिरक्षा में आज जेल दाखिल कर दिया।

ठगी के मामले में मुख्य आरोपी राहुल अग्रवाल को पुलिस उत्तर प्रदेश स्थित सोनभद्र के ओबरा से पड़कर लाई है। वहीं, ठगी में शामिल मुख्य आरोपी का जीजा अंबिकापुर निवासी राहुल गोयल, एमपी निवासी अमन अग्रवाल, अंबिकापुर निवासी सुजीत जायसवाल, झारखंड स्थित डाल्टनगंज निवासी पप्पू जायसवाल के नाम शामिल होने की खबर सामने आ रही है। ये चारों आरोपी अब तक पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं। जबकि दो आरोपी अंबिकापुर से बताए जा रहे हैं।

खास-खबर

युवती का चुराया पर्स फिर एटीएम से निकाले 40 हजार

रायपुर। तेलीबांधा तालाब के पास मोपेड की डिक्की से युवती का पर्स चुराकर चोर ने उसमें रखे एटीएम कार्ड से खाते में सेंध लगा दी। चोर ने एटीएम कार्ड से 2 घंटे में 40 हजार निकाल लिए। जब युवती को बैंक से ट्रांजेक्शन का मैसेज आया तब वह हड़बड़ा गई। बैंक जाकर कार्ड ब्लॉक कराने के बाद पुलिस में शिकायत की। पुलिस ने चोरी का केस दर्ज किया है।

पुलिस अफसरों ने बताया कि अमलीडीह निवासी मेहलका परवीन (25) प्राइवेट कंपनी में एचआर मैनेजर है। वह 23 सितंबर की रात 9 बजे अपने दोस्तों के साथ तेलीबांधा तालाब के पास स्थित रेस्तरां गई थी। मोपेड को उन्होंने रेस्तरां के सामने खड़ी की थी। डिक्की में उनका मोबाइल और पर्स था।

बीएसपी कर्मी की सड़क हादसे में मौत

अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर इलाज के दौरान तोड़ा दम

भिलाई। सेल की इकाई भिलाई स्टील प्लांट में कार्यरत कर्मचारी डीएन शर्मा की सड़क हादसे में मौत हो गई है। उसे गंभीर हालत में पं. जवाहर लाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र सेक्टर 9 ले जाया गया। वहां इलाज के दौरान रविवार सुबह उसकी मौत हो गई।

जानकारी के मुताबिक डीएन शर्मा बीएसपी से तीन साल पहले रिटायर हो गए थे। इसके बाद वो बीएसपी की ठेका कंपनी के अधीन काम करने लगे थे। सेक्टर 1 में बीएसपी मकान में रह रहे थे। शनिवार सुबह वो मॉर्निंग वाक पर निकले थे। इसी दौरान नेल्सन चौक के पास कोई अज्ञात वाहन आया और उन्हें टक्कर मारकर चला गया। सिर और शरीर में गंभीर चोट आने से लोगों ने उन्हें सेक्टर 9 अस्पताल पहुंचाया। वहां गंभीर स्थिति के चलते आईसीयू में उनका इलाज चल रहा था। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिए भेजा। पुलिस आरोपी वाहन चालक की तलाश में जुटी है। भट्ठी थाना प्रभारी विपिन रंगारी का कहना है कि अभी वाहन और उसके चालक का पता नहीं चल पाया है।

एक महीने के भीतर इसी जगह पर दो मौत

नेल्सन चौक में जिस जगह पर डीएन शर्मा का एक्सीडेंट हुआ है यहां इससे पहले भी कई सड़क दुर्घटना हो चुकी है। मौत की बात करें तो यह एक्सीडेंट की वजह से दूसरी मौत है। लगभग 15-20 दिन पहले यहां एक और सड़क दुर्घटना हुई थी। इसमें भी मो. सिद्दकी नाम के युवक की मौत हो गई थी।

डीजे बंद कराने गए सिपाही को बदमाशों ने पीटा, वर्दी भी फाड़ी, पुलिस ने निकाला जुलूस

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। गणपति विसर्जन के नाम पर शराब खोरी और तेज आवाज में डीजे युवाओं के लिए फैशन बन गया है। बिना डीजे के गणपति विसर्जन ही नहीं हो रहा। वहीं डीजे बजाने से मना करने पर बदमाश किसी भी हद तक जा रहे हैं। ताजा मामले में बिलासपुर जिले के कोनी थाना क्षेत्र में तेज आवाज में डीजे बजाने से मना करन पर बदमाशों ने सिपाही को ही पीट दिया। यही नहीं सिपाही की वर्दी भी फाड़ दी। इसके बाद पुलिस ने भी कड़ी कार्रवाई की। बदमाशों को पकड़कर उनका जुलूस निकाला और थाने में उठक बैठक भी करवाई। सभी के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई कर उन्हें जेल भेज दिया गया।

यह पूरा मामला कोनी थाना क्षेत्र में गणेश विसर्जन के दौरान सामने आया। दरअसल यहां एक समिति के लोग विसर्जन के लिए जा रहे थे और उस समय तेज आवाज में डीजे बज रहा था। इस दौरान आरक्षक महादेव कुजूर

पेट्रोलिंग पर था। तेज आवाज में बज रहे डीजे को बंद करने आरक्षक पहुंचा तो बदमाशों ने मारपीट कर दी। युवकों ने हुज्जत करते हुए आरक्षक के साथ झूमाझटकी कर दिया। इस दौरान आरोपी युवक दुर्गेश गढ़ेवाल, सूरज गढ़ेवाल और अन्य लोगों ने आरक्षक की वर्दी को फाड़ते हुए नेम प्लेट भी तोड़ दिय।। अपने दातों से भी उसे काटा। किसी तरह आरक्षक वहां से बचकर निकला और घटना की जानकारी पुलिस अधिकारियों को दी।

आरक्षक की की शिकायत के आधार पर आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत पुलिस ने मामला दर्ज किया। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में पुलिस ने छोटी कोनी निवासी दीपक गढेवाल उर्फ सूरज, अजय गढेवाल, दुर्गेश गढेवाल, उत्तम मरावी, विजय जोशी, विनय जोशी व आशीष अनंत को गिरफ्तार किया। सभी आरोपियों का जुलूस निकाला और उसके बाद थाने में उठक बैठक कराकर भविष्य में कभी भी तेज आवाज में डीजे न बजाने की शपथ दिलाई। सभी आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत कार्रवाई कर उन्हें जेल भेज दिया है।

रायपुर पुलिस ने की विसर्जन रैली में शामिल गुंडा बदमाशों की धरपकड़ 52 बदमाशों पर हुई कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में पुलिस ने विसर्जन के दौरान वाली गुंडागर्दी को रोकने विशेष अभियान चलाया। दो दिन चले अभियान के दौरान पुलिस ने ऐसे 52 बदमाशों को हिरासत में लिया जो अपराधिक प्रवित्ति के थे। पुलिस ने इनके पास से हथियार भी बरामद किए हैं।

मिली जानकारी के अनुसार गणेश विसर्जन झांकी में चेकिंग फ्रिस्किंग हेतु विशेष टीमों को लगाया गया। पुलिस की सक्रियता से झांकी में शामिल गुंडे बदमाश घटना करने से पहले गिरफ्तार हुए। झांकी में चाकू, ब्लेड, कैंची, शराब लेकर पहुंचे 52 बदमाश पुलिस की गिरफ्त में आए। 23 बदमाशों के खिलाफ आर्म्स एक्ट, आबकारी अधिनियम, नारकोटिक्स एक्ट व चोरी के प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई की गई। इस दौरान झांकी में विवाद कर शांति भंग करने की कोशिश करते 29 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्रवाई भी गई।

नशे में धुत 2 युवतियों ने महिला कांस्टेबल को पीटा, गणेश विसर्जन के दौरान हुआ था विवाद

जगदलपुर (ए)। बस्तर जिले में गणेश विसर्जन के दौरान दो युवतियों ने एक महिला कांस्टेबल की पिटाई कर दी। दोनों युवतियां शराब के नशे में थी। किसी बात को लेकर इनका ड्यूटी पर तैनात महिला कांस्टेबल से विवाद हो गया। अब पुलिस ने दोनों युवतियों को गिरफ्तार कर लिया है। मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

यह मामला एक अक्टूबर की देर रात का है। जब गणेश विसर्जन के लिए झांकी निकाली थी। उसी समय सुरक्षा के लिए चप्पे-चप्पे पर पुलिस फोर्स को भी तैनात किया गया था। इसी बीच एक स्कूटी में दो युवती शिल्पा कश्यप (26) और प्रिया शर्मा (26) आईं।

शराब के नशे में की मारपीट

पुलिस के अनुसार दोनों लड़कियों ने शराब पी रखी थी। युवतियों ने पहले गाली-गलौज की, फिर हाथापाई पर उतर आईं। दोनों ने मिलकर महिला कांस्टेबल की बेदम पिटाई कर दी। फिर अन्य महिला कांस्टेबल ने इस विवाद को शांत करवाया।

दोनों युवतियां गिरफ्तार

घटना के बाद महिला कांस्टेबल सिटी कोतवाली में दोनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस ने सरकारी काम में बाधा डालने और ड्यूटी के दौरान महिला पुलिसकर्मी के साथ मारपीट करने पर दोनों को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस अफसरों ने बताया कि जिस समय विवाद हुआ उसी समय इन दोनों युवतियों का टेस्ट करवाया गया था। जांच में दोनों का शराब पीना पाया गया। पुलिस ने दोनों को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।

महिला को मिली बेटा नहीं होने की सजा, पति ने पेट्रोल डाल कर लगा दी आग, हालत गंभीर

श्रीकंचनपथ न्यूज

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां के एक शख्स ने अपनी पत्नी पर पेट्रोल छिड़क कर आग लगा दी। इस दौरान उसकी मां भी सामने थी। आग लगने से महिला गंभीर रूप से झुलस गई है। महिला को पहले स्थानीय अस्पताल ले जाया गया जहां से उसे रायपुर रेफर कर दिया गया। महिला ने अपने बयान में बताया कि उसकी दो बेटियां हैं और बेटा नहीं होने के कारण पति व सास उसे प्रताड़ित करते हैं। वहीं इस मामले में पीड़िता की मां की शिकायत पर पति व सास पर धारा 307, 34 के तहत अपराध दर्ज कर लिया गया है।

दिल दहला देने वाली यह घटना रविवार की है। सूरजपुर जिले के रामानुजनगर गांव के पिवरी चौक निवासी लवकेस गुप्ता का

विवाह गोपाल निवासी रेणु गुप्ता से नौ वर्ष पहले हुआ था। बताया जा रहा है शादी के बाद से ही पति व सास रेणु गुप्ता को दहेज के लिए प्रताड़ित करते थे। दोनों की दो बेटियां हैं और बेटा नहीं पैदा होने को लेकर अक्सर विवाद करते थे। रविवार को भी इसी बात को लेकर विवाद हुआ और लवकेश गुप्ता ने अपनी मां के सामने पत्नी रेणु गुप्ता पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दिया। आग से वह गंभीर रूप से झुलस गई। इसके बाद उसे पहले जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया वहां से अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। नाजुक हालत को देखते हुए उसे रायपुर रेफर किया गया है।

घटना की सूचना के बाद नायब तहसीलदार सूरजपुर ने रेणु गुप्ता का बयान लिया है। अपने बयान में पीड़िता ने पति व सास सहित ससुराल वालों पर प्रताड़ना का आरोप लगाया है। रेणु गुप्ता ने अपने बयान में बताया कि बेटा नहीं होने के कारण उसे प्रताड़ित करते थे और रविवार की सुबह उसके पति ने अपनी मां के सामने उस पर पेट्रोल छिड़क दिया और आग लगा दी। रेणु गुप्ता की मां सुमित्रा देवी की रिपोर्ट पर सूरजपुर कोतवाली पुलिस ने पति लवकेश गुप्ता, उसकी मां मालती देवी व बड़े भाई बड़कू गुप्ता के खिलाफ धारा 307, 34 के तहत अपराध दर्ज कर लिया है।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

भिलाई निगम क्षेत्र में चला स्वच्छता श्रमदानः सभी 70 वार्डों में चला अभियान, आयुक्त व महापौर भी रहे शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत निगम के संपूर्ण 70 वार्ड में एक घंटा श्रमदान कर वृहद सफाई अभियान चलाया गया। नेहरू नगर व्यावसायिक क्षेत्र में महापौर नीरज पाल स्वास्थ्य विभाग के प्रभारी लक्ष्मीपति राजू आयुक्त रोहित व्यास, अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी वार्ड पार्षद चंदेश्वरी बांधे , व्यापारी संघ के सदस्य सरस्वती शिशु मंदिर, एनएसएस., रुंगटा कॉलेज के छात्र राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन की महिला समुह वरिष्ठ नागरिक मंच के सदस्य एवं आम नागरिकों ने सफाई अभियान चलाकर श्रमदान किया।

कोहका में सभापति गिरवर बंटी साहू ने स्कूली बच्चे ,मितानीन वार्ड की महिलाओं तथा नागरिको के साथ अपना श्रमदान कर सड़क पर झाड़ू लगाए पावर हाउस व्यावसायिक क्षेत्र में चेंबर ऑफकॉमर्स व्यापारी संघ के पदाधिकारियों एवं नागरिकों ने शहर की सफाई के लिए एक घंटा श्रमदान किया सुबह 10 से 11 तक चले इस वृहद सफाई अभियान श्रमदान कार्यक्रम में सभी जोन के पार्षद जोन अध्यक्ष व्यापारी गण स्काउट एंड गाइड , स्कूल एवं कॉलेज के छात्र महिलाएं एवं आम नागरिकों ने बढ़ चढ़कर अपने हिस्सेदारी निभाई और शहर के गली मोहल्ले बाजार उद्यान स्कूल मंदिर गुरुद्वारा गिरजाघर श्मशान घाट कब्रिस्तान आदि में श्रमदान कर बिखरे झिल्ली पानी प्लास्टिक को एकत्र कर एवं झाड़ू लगाकर कचरा उठाएं नेहरू नगर में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में उपस्थित सभी ने साफसफाई अभियान को निरंतर जारी रखने कि शपथ भी लिए। नेहरू नगर में चलाये गये सफाई श्रमदान मे जोन आयुक्त निगम के अधिकारी कर्मचारी सहित देविन्द्रर सिंह भाटिया जगदीश आहूजा शास्त्री विचार मंच के नरेंद्र श्रीवास्तव वरिष्ठ नागरिक मंच के निर्मलचंद शर्मा मुकेश जैन संदीप भल्ला दिनेश अग्रवाल संदीप सिंघल हर्ष चंदेल सेंट अग्रवाल स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेंद्र मिश्रा, देवराज सिंह राजपूत अजय शुक्ला बी एल असाटी धीरज साहू राजेश पालवे अंकित सक्सेना अमित दुबे सहित नागरिक गण तथा महिला समूह उपस्थित थे।

सीमा सुरक्षा बल ने रुआबांधा बाजार में चलाया स्वच्छता अभियान, लोगों को किया जागरुक

भिलाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ और स्वस्थ भारत के दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए सीमांत मुख्यालय (विशेष संक्रिया) सीमा सुरक्षा बल छत्तीसगढ़ द्वारा वृहद सफाई अभियान चलाया गया। बीएसएफछत्तीसगढ़ के महानिरीक्षक सतीश एस खंडारे की अगुवाई मे तकरीबन 270 अधिकारी, अधीनस्थ अधिकारी और जवानो ने रूआबांधा बाजार में स्वच्छता अभियान में भाग लिया। स्वच्छता पखवाड़ा और स्वच्छता अभियान कार्यक्रमों का आयोजन करना और समाज के आम लोगों के बीच स्वच्छ भारत के बारे में जागरूकता फैलाना इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य रहा। इस विशेष अभियान की श्रृंखला में सीमांत मुख्यालय, छत्तीसगढ़, दोनो सेक्टर मुख्यालयों, वाहिनी मुख्यालयों और सीओबी स्तर तक स्वच्छता अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आईपीएस सतीश एस खंडारे ने बताया कि समाज को स्वच्छता के प्रति जागरुक बनाने के लिए सीमा सुरक्षा बल के माध्यम से लगातार स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा हैं। उन्होने बताया कि स्वच्छ वातावरण से ही सुन्दर और स्वच्छ समाज की कल्पना की जा सकती है।

खास - खबर

आदर्श इस्पात ग्राम देवबलोदा में संयंत्र बिरादरी ने चलाया सफाई अभियान

भिलाई। सेल भिलाई इस्पात संयंत्र एवम् नगर निगम चरोदा, भिलाई के संयुक्त तत्वाधान में श्स्वच्छता भारत अभियान-2023 के तहत आदर्श इस्पात ग्राम देवबलोदा में सफाई अभियान चलाया गया। जिसमें भिलाई इस्पात संयत्र की सीएसआर और नगर निगम चरोदा भिलाई की टीम का का विशेष योगदान रहा। इस स्वच्छता अभियान में भिलाई इस्पात संयंत्र के निगमित समाजिक उत्तरदायित्व विभाग के महाप्रबंधक शिवराजन नायर और नगर निगम चरोदा भिलाई प्रमुख महापौर निर्मल कोसरे समेत आयुक्त अजय त्रिपाठी विशेष रूप से उपस्थित रहे। ज्ञात हो कि यह स्वच्छता अभियान देव बालौदा के प्राचीन शिव मंदिर के समीप स्थित कलशा तालाब में सफ्लतापूर्वक संपन्न किया गया। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि श्एक तारीख, एक घंटा, एक साथश् विशेष रूप से स्वच्छता गतिविधियों के लिए समर्पित अभियान है। स्वच्छता के लिए श्रमदान हम सबकी जिम्मेदारी है।स्वच्छ भारत एक साझा जिम्मेदारी है और हर प्रयास मायने रखता है।

इस्पात बिरादरी ने वरिष्ठजनों को शुभकामनाएं दी

भिलाई। आज अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर एक अनूठी पहल करते हुए शिसयान सदनश् में रहने वाले 19 वरिष्ठजनों को सुबह-सुबह 7.00 बजे गुलाब भेंट कर स्वागत किया वरिष्ठजन दिवस की शुभकामनाएं दी और उनके चरण स्पर्श कर आशिर्वाद लिया गया। भिलाई इस्पात संयंत्र के निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग के सदस्यों द्वारा आज 1 अक्टूबर, 2023 को प्रात 7.30 सियान सदन में रहने वाले सभी वृद्धजनों का सुबह-सुबह गुलाब भेंट कर स्वागत किया और उन्हें उपहार स्वरूप गर्म नाश्ता भेंट किया। सियान सदन में वर्तमान में 19 वरिष्ठजन निवासरत हैं । इन सभी को गुलाब फूल देकर उनका स्वागत करते हुए नाश्ते का पैकेट प्रत्येक व्यक्ति को स्नेह वंदन के साथ दिया गया। इस कार्य में संयंत्र के सी.एस.आर विभाग के कर्मी आशुतोष सोनी, सीता सिन्हा एवम सुश्री व्ही विजय लक्ष्मी ने प्रत्येक वरिष्ठजनों को आत्मीयता के साथ वंदन कर आशीर्वाद लिया।

दुर्ग जिला टेबल टेनिस चैंपियनशिप का शुभारंभ, आरुषि को दोहरा खिताब, प्रेम एवं शिखर बने जिला चैंपियन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिला टेबल टेनिस संघ एवं नगर पालिक निगम भिलाई के संयुक्त तत्वाधान में दुर्ग जिला टेबल टेनिस चैंपियनशिप 2023 का शुभारंभ हुआ। यह प्रतियोगिता खुर्सीपार स्थित नव निर्मित स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में कुल 12 वर्गों में खेली जा रही है।

होप्स अंडर 11 एवं कैडेट वर्ग के बहुत ही रोचक मुकाबले खेले गए। कैडेट बालक अंडर 13 फाइनल में शिखर बागडे ने आरो जैन को 3-0 से पराजित कर चैंपियन बने। होप्स बालक अंदर 11 के फाइनल में बहुत ही रोचक मुकाबले मैं प्रेम कुमार ने अथर साहू को 32 से पराजित किया। आरुषि मदारिया ने दोहरा खिताब जीता। हॉप्स बालिका अंडर 11 में आरुषि मदारिया ने शश्मिता माने को 3-2 से पराजित कर जिला चैंपियन बनी। कैडेट बालिका अंडर 13 में आरुषि मदारिया ने पुनः शश्मिता मन को 3-1 हराकर कैडेट चैंपियन बनी।

आगे जानकारी देते हुए दुर्ग जिला टेबल टेनिस संघ के सचिव उमेश गोस्वामी ने बताया कि अन्य वर्गों के मुकाबले में महिला वर्ग क्वार्टर फाइनल में काजल ने गीतिका को 3-0 से पराजित किया। एक अन्य क्वार्टर फाइनल में शर्मिष्ठा शर्मा ने सूची वर्मा को 3-0 से पराजित कर सेमी फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल मुकाबले रविवार को खेले जाएंगे। सब जूनियर गर्ल्स अंडर 15 में सूची वर्मा विरुद्ध चारवी मंदारिया, सब जूनियर बालक अंडर 15 वर्ग में गौरव मून फाइनल में पहुंचे । जूनियर बालक अंडर 17 वर्ग में अभय जैन एवं आरव जैन फाइनल में पहुंचे। जूनियर बालिका अंडर 17 वर्ग में चारवी मढरिया विरुद्ध प्रज्ञा पाठक का फाइनल मुकाबला कल खेला जाएगा। यूथ बालक वर्ग अंडर-19 के फाइनल में अमन वर्मा ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए प्रवेश किया।

रिसाली में एक साथ चला अभियान

जनप्रतिंधियो ने बनाई श्रृंखला, श्रम दान कर उजाड़ हो चुके गार्डन को सवारा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा के तहत रिसाली के 40 वार्डों में एक समय पर जनप्रतिनिधियों व नागरिकों ने श्रम दान किया। रविवार को शहर को साफसुथरा रखने महापौर शशि सिन्हा व प्रदेश कांग्रेस के महामंत्री जितेंद्र साहू ने मानव श्रृंखला भी बनाई। लगभग 4 घंटे के प्रयास के बाद महापौर की टीम ने वार्ड 27 मैत्री नगर के उजाड़ हो चुके गार्डन को सवारा।

रिसाली के सभी वार्डों में सुबह 10 बजे से श्रम दान करने निर्धारित स्थान पर नागरिक एकत्र हुए। निगम महापौर और उनकी टीम मैत्री नगर फेस 6 स्थित गार्डन की सफाई करने जुटे। पाश कालोनी होने के बाद भी गार्डन की जमीन पर न केवल झाड़ियां उग आई थी, बल्कि आस पास के लोगो ने इसे ट्रेंचिंग ग्राउंड बना रखा था। देखने पर प्रतीत हो रहा था मैदान को कुछ घंटे में साफकरना असंभव है, लेकिन शहर सरकार और नागरिकों की मेहनत रंग लाई। इस अवसर पर विशेष रूप से एम आई सी चंद्रभान ठाकुर, अनूप डे, सनीर साहू , वार्ड पार्षद सुन्दा चंद्राकर, जमुना ठाकुर, विलास राव बोरकर, एल्डर मेन संतू दास, मो निजाम , शिशिर साहू , ब्लाक अध्यक्ष मुकुंद भाऊ व निगम के अधिकारी मौजूद थे। विशेष अभियान में वार्ड पार्षद , नागरिक , सामाजिक संगठन और व्यापारिक संगठन के पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया। वार्डों में गठित राजीव मितान क्लब के युवा सदस्यों ने श्रम दान करने सक्रिय रहे।

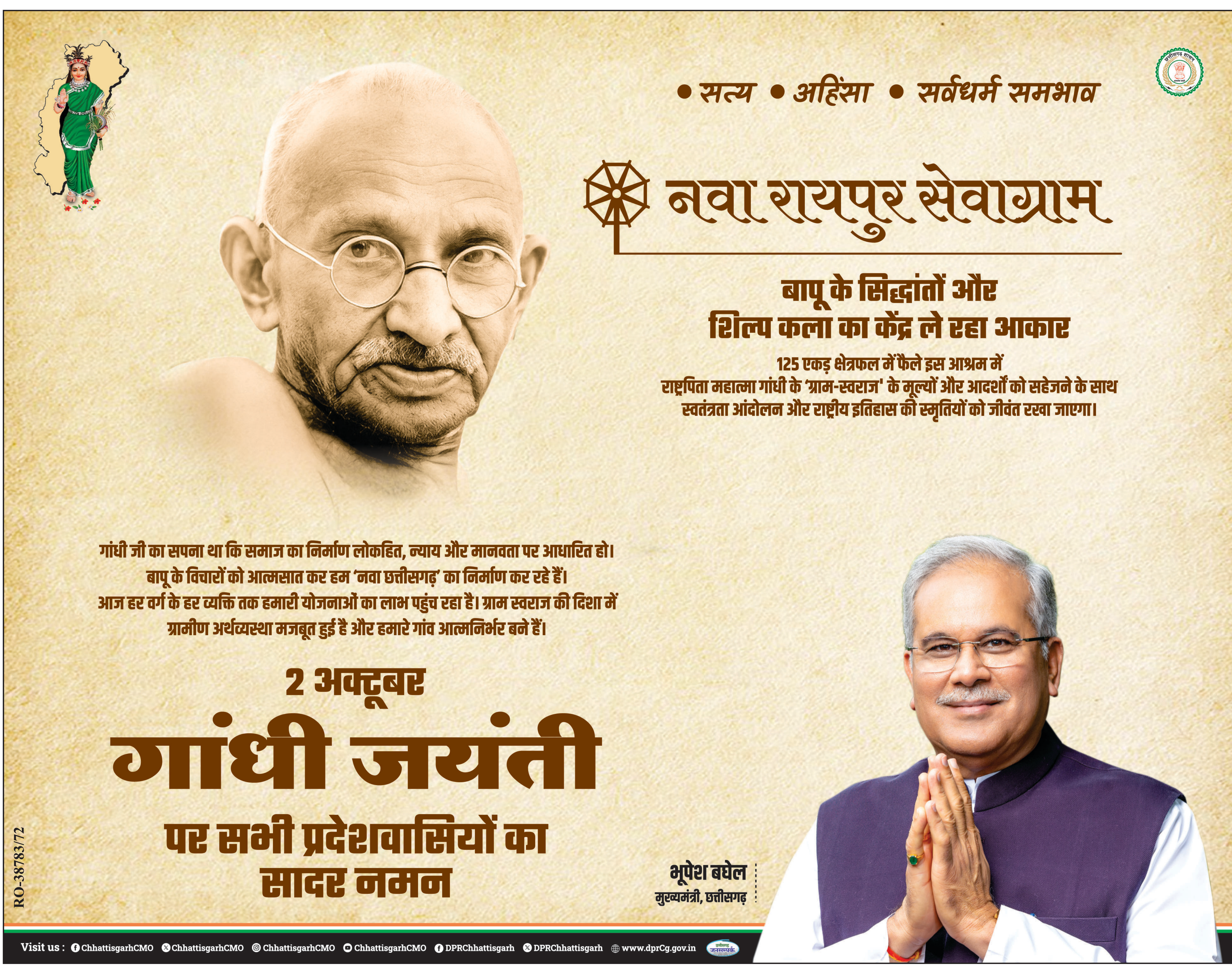

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950